



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 75]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 5, 2018/फाल्गुन 14, 1939

No. 75]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 5, 2018/PHALGUNA 14, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटन-रोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मार्च, 2018

अंतिम जांच परिणाम

विषय: बंगलादेश और चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित "फिशिंग नेट" के आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने से संबंधित पाटन-रोधी जांच।

निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचाराधीन निम्नलिखित अनिवार्य तथ्य इस अंतिम जांच परिणाम के आधार बनेंगे।

क. मामले की पृष्ठभूमि

फा. सं. 14/44/2016-डीजीएडी.—1. यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटन-रोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

2. यतः इंडियन फिशनेट मेन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जिन्हें आगे "याचिकादाता" भी कहा गया है) ने अधिनियम के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष बंगलादेश और चीन जनवादी गणराज्य (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "फिशिंग नेट" (जिसे आगे "संबद्ध वस्तु" भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जांच की शुरुआत करने और पाटन-रोधी शुल्क लगाने के लिए एक आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है।

3. और यतः प्राधिकारी ने याचिकादाताओं द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 31 मार्च, 2017 की अधिसूचना संख्या 14/44/2016-डीजीएडी द्वारा अधिसूचना जारी की थी, जिसमें पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार पाटन-रोधी जांच की शुरुआत की गई, ताकि उपरोक्त देशों से के मूल की अथवा वहां से निर्यातित

संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटन-रोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लगाया जाए, तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगी।

ख. क्रिया-विधि

4. प्राधिकारी द्वारा उपरोक्त जांच शुरू करने के लिए सार्वजनिक सूचना जारी करने के बाद इस जांच में निम्नोक्त वर्णित क्रिया-विधि का अनुसरण किया गया है:-

- (1) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग से प्राप्त पाटन-रोधी जांच संबंधी वर्तमान आवेदन-पत्र के प्राप्त होने की सूचना भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को भेज दी थी, जिसमें उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के उप-नियम 5 के अनुसार जांच शुरू करने की कार्यवाही करने से पहले पाटन-रोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।
- (2) नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को भी नियम 6 (2) के अनुसार जांच शुरू करने के बारे में सूचित किया गया था।
- (3) प्राधिकारी ने जांच शुरू करने की अधिसूचना की एक प्रति, भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग के साथ-साथ याचिकादाताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार अन्य घरेलू उत्पादकों को भी भेजी गई थी और उनसे अनुरोध किया गया था कि वे जांच शुरू करने की अधिसूचना के प्राप्त होने के 40 दिनों के भीतर अपने लिखित विचारों से उन्हें अवगत करा दें।
- (4) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार आवेदन-पत्र के अगोपनीय वृत्तान्त की एक प्रति, ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई गई थी।
- (5) भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से यह अनुरोध भी किया गया था कि वे चीन जनवादी गणराज्य और बंगलादेश में निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत कर दें। उन्हें निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति, चीन जनवादी गणराज्य और बंगलादेश में ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों के नामों और पत्रों पर के साथ भी भेजी गई थी।
- (6) नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध सूचना मंगाने के लिए निर्यातक की प्रश्नावली, निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को भेजी थी:-

➤ चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातक :-

- (1) चाओहू एशियानेप्स फिशिंग नेट मेन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
- (2) ताईझाऊ विनस्ट्रोंग स्पेशल नेट कंपनी लिमिटेड
- (3) हेयरक इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड
- (4) बेह्राई डी एंड एम कंपनी लिमिटेड
- (5) क्वानझाऊ लिचेंग लोंगशेंग प्लास्टिक कंपनी लिमिटेड
- (6) ताई एन फेन्गली प्लास्टिक्स कंपनी लिमिटेड
- (7) फेन्टासिया मेरीन कंपनी लिमिटेड
- (8) शंघाई जोंग चेंग स्केल कंपनी लिमिटेड
- (9) शंघाई सेलीफिश रोप नेट कंपनी लिमिटेड
- (10) टाईयान डबल फिश प्लास्टिक्स कंपनी लिमिटेड
- (11) नेबिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (12) चांगझाऊ वूजिन जोंगुआंग मशीनरी कंपनी लिमिटेड
- (13) नान्टोंग शेनलोंग फाईबर रोप कंपनी लिमिटेड
- (14) चांगक्सिंग जिआन्युन बम्बू आर्ट फैक्टरी
- (15) ओजाशन डाईव मेन्युफैक्चरिंग
- (16) लाईझोऊ लुटोंग प्लास्टिक्स कंपनी लिमिटेड

- (17) डोंगुआन सनमेई प्लास्टिक रॉ मेटेरियल कंपनी लिमिटेड
- (18) रोंगचेंग वेस्टवैंड इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड
- (19) टाईयान प्रेटी लिओन लाईट इंडस्ट्रीज प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड
- (20) जिआंगसू हुआयून न्यू मेटेरियल कंपनी लिमिटेड
- (21) पिंगक्सियांग टाईगर इंडस्ट्रियल सिरमिक्सकंपनी लिमिटेड
- (22) पोली मरीन एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड
- (23) बुहू एस.एच.जेड. इंडस्ट्रियल फैब्रिक्स कंपनी लिमिटेड
- (24) फ्यूआंग चेनिल आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स कंपनी लिमिटेड
- (25) यूनीलैंड स्पोर्टिंग वेयर मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
- (26) यांगझोऊ किसन्यू टेक्सटाईल इक्विपमेंट कंपनी लिमिटेड
- (27) चांगझोऊ आयोयुआन टेक्सटाईल मशीनरी कंपनी लिमिटेड
- (28) जिआंगसू जियांघाई मशीनरी कंपनी लिमिटेड
- (29) चांगझोऊ सिटी चांग हुई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
- (30) आदित्य ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
- (31) शानटोऊ क्वाईट सिल्का स्क्रीन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड
- (32) ब्रोदर्स स्पोर्ट्स कंपनी लिमिटेड
- (33) झांगजीगांग हैईटिया नेटिंग इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड
- (34) हांगझोऊ हेनक्सऑंग होम टेक्सटाईल कंपनी लिमिटेड
- (35) एसएसएस हार्डवेयर इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
- (36) निंगबो विकटेक स्पोर्टिंग गुड्स कंपनी लिमिटेड
- (37) क्विडोंग क्सुओन शांग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड
- (38) इन्नोएम्कस लिमिटेड
- (39) झांगजिआंग विकटर टेक्सटाईल मशीनरी कंपनी लिमिटेड
- (40) बेईहाई स्विफ्ट याच्ट कंपनी लिमिटेड
- (41) हेंगझाऊ जिनहुई निटिंग कंपनी लिमिटेड
- (42) हेंगझाऊ क्विनघोंग रबड़ एंड प्लास्टिक फुटवीयर कंपनी लिमिटेड
- (43) फ्युझोऊ हेबर ट्रेड कंपनी लिमिटेड
- (44) चांगझोऊ चेनवेट मशीनरी कंपनी लिमिटेड
- (45) टियानचांग फुशी सोफटी प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड
- (46) नेशनल प्रोडक्ट्स (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड
- (47) जिआंगसू किसआनचुआन रोप टेक्नोलोजी कंपनी लिमिटेड
- (48) डोलर मेनलैंड इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
- (49) जोवियल ट्रेवल स्टाफ कंपनी लिमिटेड
- (50) जिबो क्सुनांग एफआरपी कंपनी लिमिटेड
- (51) शांगडोंग युयुआन गुप कंपनी लिमिटेड
- (52) डोंगुआन सिटी बेस्टवे स्पोर्ट्स गुड्स कंपनी लिमिटेड

- (53) किसमेन नी एंड कंपनी लिमिटेड
- (54) लाईझाऊ हुआंक्यू रोप एंड बेल्ट फैक्टरी
- (55) डेफेंग सिटी किसनयु एयर कम्प्रेसर मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
- (56) नानीटोंग सी मेलोडी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड
- (57) गिंगडाओ लीडिंग लिंक ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
- (58) झोऊशान वानशिडा मरीन फूड्स कंपनी लिमिटेड
- (59) हुनान झोंगटार्ई स्पेशल इक्विपमेंट कंपनी लिमिटेड
- (60) एशियनेप्स इंडस्ट्रियल (फिशिंग नेट) कंपनी लिमिटेड
- (61) बेईहार्ई किसनघार्ईयुआन फिशिंग एंड नेटिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (62) झांगझियांग झूम हेंग फिशिंग नेट लिमिटेड
- (63) मिंग जुआन फिशिंग नेट फर्दर प्रोसेसिंग फैक्टरी
- (64) सनलैस फिशिंग इम्पलिमेंट्स ट्रेड कंपनी
- (65) जेईयांग सिटी योई फिशिंग नेट फैक्टरी कंपनी लिमिटेड
- (66) झांगझियांग ढोंघी फिशिंग नेट मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
- (67) वेनझोऊ किसनघार्ई फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (68) टार्ईझोऊ सेलिंग फिशिंग नेट कंपनी लिमिटेड
- (69) अनहुई गोल्डन सी फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (70) गिंगडाऊ डटाओ फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (71) टिआन्जिन फिशिंग नेट (मेन्युफेक्चरिंग) कंपनी लिमिटेड
- (72) वेनझोऊ किसनघार्ई फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (73) चाओहू फैंग टाई, फिशिंग गियर कंपनी लिमिटेड
- (74) यानचेंग सनलीको ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
- (75) चाओहू एशियननेप्स फिशिंग नेट मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
- (76) एशियानिओज इंडस्ट्रियल (फिशिंग नेट) कंपनी लिमिटेड
- (77) हुनान किसनहार्ई नेट इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड
- (78) अनहुल प्रोवेंस अंगुओ फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (79) झांगझियांग डोगनी फिशिंग नेट मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
- (80) चाओहू किसआन्गयु फिशिंग कंपनी लिमिटेड
- (81) नानटोंग झोंगचेंग नेट कंपनी लिमिटेड
- (82) शंघार्ई बिगकैप टेक्सटाईल कंपनी लिमिटेड
- (83) चाचू जुचाओ डिस्ट्रिक्ट ग्रेड रीवरद फिशिंग नेट फैक्टरी
- (84) अनहुई लिक्सआंग फिशिंग गियर कंपनी लिमिटेड
- (85) अनहुई हेझोंग फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (86) चाओहू गेओलीन कार्टन प्लांट
- (87) यूटियान गोल्डनेट्स फिशरी गुड्स कंपनी लिमिटेड
- (88) क्विंगडाओ मेनशेंग इंडस्ट्री एंड ट्रेड कंपनी लिमिटेड
- (89) डोंगशान यिनघुई फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड

- (90) बेईहाई डाफांग फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (91) योंगकांग व्हेटोन इंडस्ट्री एंड ट्रेड कंपनी लिमिटेड
- (92) जिआंगशु पोली फिशिंग प्लास्टिक कंपनी लिमिटेड
- (93) वाई एंड एक्स विनर्स मरीटाईम ईक्विपमेंट कंपनी लिमिटेड
- (94) हुनान किसनहाई नेट इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड
- (95) चाओहू विकटरी यूनिजन फिशिंग गियर कंपनी लिमिटेड
- (96) चाओहू हुआटाई फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (97) फ्युजिआन चांगले होंगमेट नेट टूल कंपनी लिमिटेड
- (98) चाओहू लोटस फिशिंग नेट कंपनी लिमिटेड
- (99) गुआन होंघाई फिशिंग टेकल्स कंपनी लिमिटेड
- (100) हेबेई जिआजे नेट मेन्युफेक्चर
- (101) अनहुल विन्हा इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
- (102) वुचुआन टाईफेंग ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
- (103) क्लेमोर मशीनरीज एंड टूल्स लिमिटेड
- (104) झु वुओंग
- (105) बुक्सी टाईयू नेट एंड टिवन मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
- (106) अनहुई सन नेटिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (107) विन्टेक ग्रुप कंपनी लिमिटेड
- (108) बेहेई हेई इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
- (109) निंगबो शुनयू नेट्स मेन्युफेक्चर कंपनी लिमिटेड
- (110) नानटोंग आओली नेटिंग इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड
- (111) चांगझोऊ जिनझी प्लास्टिक नेट सप्लायज कंपनी लिमिटेड
- (112) रेन यी फिशिंग कंपनी लिमिटेड
- (113) शानटोऊ सेनई फिशिंग युटेन्सिल्स फैक्टरी
- (114) बेहेई यिझांग मेटल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड
- (115) शांग काउंटी टिआन्डा प्लास्टिक नेट कंपनी लिमिटेड
- (116) शानटोऊ किसन्गफा फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (117) चांगझोऊ वुजिन किसनहुई नेटिंग फैक्टरी
- (118) चाओहू हुईफेंग फिशिंग कंपनी लिमिटेड
- (119) झानझियांग डेवलपिंग जोन यांगफान मैश इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड
- (120) शानटोऊ क्वाट सिल्क स्क्रीन कंपनी लिमिटेड
- (121) निंगबो मेईके लेजर प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड
- (122) नानटोंग न्यूटेक टेक्सटाईल एंड केमिकल फाईबर कंपनी लिमिटेड
- (123) फुलरी फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (124) डालियान न्यू सिटी इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
- (125) हेईयान हुबेई नेट कंपनी लिमिटेड

- (126) चाओहू शेनलॉग फिशिंग गियर कंपनी लिमिटेड
- (127) हेईलाई नायलोन नेटिंग कंपनी
- (128) टाईयान प्रेटीलियोन लाईट इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड
- (129) टाईयान बेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड
- (130) वेईहेई बोटा फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (131) वेनझोऊ ओसियन-प्वाइनीर फिशिंग इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड
- (132) जेईझोऊ जिआंगगोंगले फिशिंग टूल्स कंपनी लिमिटेड
- (133) बेजिंग हिरुन हेंगडा टेक्निक कंपनी लिमिटेड
- (134) झोगियांग लीडर लेजर एंड क्राफ्ट मेन्युफेक्चरर
- (135) किसनहाई नेट एंड रोप मेन्युफेक्चरर कंपनी लिमिटेड
- (136) होपवेल प्लास्टिक कंपनी लिमिटेड
- (137) हेंगझोऊ फलाई फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (138) चांगझोऊ सनशेंग नेट्स वीव कंपनी लिमिटेड
- (139) हेंगझोऊ क्विनडाऊ लेक फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (140) लियानयुगांग हुआंग फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (141) झानजियांग होंगुयान फिशिंग आर्टिकल कंपनी लिमिटेड
- (142) डोंगशान फ्युयोंग फिशरी इम्पलीमेंट प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड
- (143) ज्वैल ट्रेबलिंग प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड
- (144) नानटोंग न्युटेक टेक्सटाईल एंड केमिकल फाईबर कंपनी लिमिटेड
- (145) किसमेन होंग-गी फिशिंग टेकल कंपनी लिमिटेड
- (146) वेईहेई होंगझोऊ स्पोर्ट्स कंपनी लिमिटेड
- (147) अनजी मिनवैंग फिशिंग गियर फैक्टरी
- (148) सिकोम शंघाई इंटरप्राइजिज लिमिटेड
- (149) झांगजिगांग डीओआईटी इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
- (150) लोंग क्विसंग प्लास्टिक कंपनी लिमिटेड
- (151) वुक्सी टाईयु नेट एंड ट्वाइन मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
- (152) झांगजिगांग सेनवेई मशीनरी कंपनी लिमिटेड
- (153) बिनझोऊ जिनहुई रोप नेट लिमिटेड कंपनी
- (154) बेनलिंग ओसियन रोप एंड केबिल कंपनी लिमिटेड
- (155) शानटाऊ स्पेशल इकोनोमिक जोन गुआनगो लाईट इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड
- (156) यानटाई सेमहेई इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड
- (157) अनहुई जिनचाहोहे ट्रेड कंपनी लिमिटेड
- (158) हेईन हेटियान श्रेड्स कंपनी लिमिटेड
- (159) चाईना शिपबिल्डिंग ट्रेडिंग (शंघाई) कंपनी लिमिटेड
- (160) टाई एन रोप नेट प्लास्टिक कंपनी लिमिटेड
- (161) टांगशान ल्युकी इकोनोमिक ट्रेड कंपनी लिमिटेड
- (162) बिनझोऊ युआनहेंगली इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड

- (163) टाईक्सिंग क्यूडोंग शिपिंग सेफटी ईक्विपमेंट्स फैक्टरी
- (164) गुआंग जिन ग्रुप कंपनी लिमिटेड
- (165) जिआंगडु सिटी लिक्वीमेई स्पोर्ट्स नेट कंपनी लिमिटेड

➤ **बांग्लादेश के निर्यातक:**

- (1) मेघना फैब्रिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
 - (2) हिकोटेक्स लिमिटेड
 - (3) मेसर्ज सुमा इम्पेक्स इंटरनेशनल
 - (4) पनामा इंडस्ट्रीज (प्राईवेट) लिमिटेड
 - (5) ओक्सफैम जीबी
 - (6) नूर विजीनेस इंटरप्राइजिज लिमिटेड
 - (7) रूपशा फिशिंग नेट इंडस्ट्रीज
 - (8) कारीटेक्स
 - (9) ईगल फाईबर इंडस्ट्रीज लिमिटेड
 - (10) टोक्यो फिशिंग नेट कंपनी
 - (11) ओवरसीज ट्रेडिंग हाऊस
 - (12) एफ. आर. ग्रुप
- (7) प्रत्युत्तर में संबद्ध देश से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं:-
- (क) अन्हुई लाईट इंडस्ट्रीज इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ख) चाओहू टेंगडा फिशिंग गियर कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य
- (8) नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्तओं को संबद्ध सूचना मंगाने के लिए आयातक की प्रश्नावलियां भेजी थीं:-
- (क) कलकत्ता फिशनेट कंपनी
 - (ख) गारवारे वाल रोप्स लिमिटेड
 - (ग) डी. के. इंटरप्राइजिज
 - (घ) नोटिलस एक्जुआ सिस्टम्स
 - (ङ) टाटा ब्लूस्कोप स्टील लिमिटेड
 - (च) नीलकमल लिमिटेड
 - (छ) एनोदर ऑफशोर सर्विसिज लिमिटेड
 - (ज) डीसीएस हेयर प्रोडक्ट्स (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड
 - (झ) जी इंडिया इंडस्ट्रियल प्राईवेट लिमिटेड
 - (ञ) होम कलेक्टिव इंडिया प्राईवेट लिमिटेड
 - (ट) गरवारे वाल रोप्स लिमिटेड
 - (ठ) प्लेनेट इम्पेक्स
 - (ड) कमर ट्रेडिंग कंपनी (प्राईवेट) लिमिटेड
 - (ढ) एक निष्ठ
 - (ण) पैकेजिंग एसोसिएट्स
 - (त) फोनिकस ट्रेड वेन्चर
 - (थ) एनोदर इक्विपमेंट एंड स्पेयर्स प्राईवेट लिमिटेड
 - (द) सिल्वरसन ओवरसीज प्राईवेट लिमिटेड
 - (ध) एम. एम. ट्रेडर्स
 - (न) एम. एम. ट्रेडर्स

- (फ) तेजस्वी एक्सपोर्ट्स
 (ब) बोथरा ट्रेडिंग प्राईवेट लिमिटेड
 (भ) सेमसंग क्रेडिट इंडिया प्राईवेट लिमिटेड
 (म) फाउन्टेन हैड रिटेल प्राईवेट लिमिटेड
 (य) ए-1 फैस प्रोडक्ट्स कंपनी प्राईवेट लिमिटेड
 (र) अनमोल नोनवूवन
 (ल) सागर नेट्स
 (व) केशव यूनीवर्सल योगेश्वर
 (श) वी. के. सिंथेटिक्स
 (स) साल्ट ट्रेडिंग कंपनी
 (ह) नाकवा इंटरप्राइजिज
 (क्ष) गरवारे वाल रोप्स लिमिटेड
- (9) ऊपर सूची में उल्लिखित किसी भी आयातक ने प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- (10) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य का अगोपनीय वृत्तान्त, हितबद्ध पक्षकारों की जांच के लिए सार्वजनिक फाईल में खुला उपलब्ध करा दिया था।
- (11) वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था कि वह जांच अवधि सहित विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरे प्रदान करने की व्यवस्था करें, जो कि प्राधिकारी को प्राप्त हो गए थे। प्राधिकारी ने आयात की मात्रा का परिकलन और आवश्यक विश्लेषण करने के लिए, कारोबार की की विधिवत जांच करने के बाद डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर विश्वास किया है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में विश्वास किया है।
- (12) भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की अनुकूलतम लागत और उनको निर्मित करने और बेचने के आधार पर क्षति रहित कीमत (एनआईपी) का सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और आकलन किया गया है, ताकि क्षति मार्जिन का पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटन-रोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (13) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2015 से 30 सितंबर, 2016 तक (18 महीनों) की है। तथापि, क्षति की जांच करने की अवधि में वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15 और जांच अवधि को भी शामिल किया गया है।
- (14) पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को संबद्ध सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का एक अवसर प्रदान करने के लिए 2 जनवरी, 2018 को एक मौखिक सुनवाई की थी, जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधियों, चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातक और बंगलादेश कके उच्च आयुक्त के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इस मौखिक सुनवाई के दौरान जिन हितबद्ध पक्षकारों ने अपने विचारों को मौखिक रूप से व्यक्त किया था, उनसे अनुरोध किया गया था कि वे अपने विचारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें। हितबद्ध पक्षकारों को प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों का उत्तर देने का भी अवसर प्रदान किया गया था।
- (15) जितना आवश्यक समझा गया था, घरेलू उद्योग के आंकड़ों की मौके पर जांच की गई थी और सहयोगी निर्यातकों की तालिका का अध्ययन किया गया था। इस अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ जहां कहीं भी लागू होता है, वहां आवश्यक आशोधन सहित सत्यापित सूचना पर विश्वास किया गया है।
- (16) इस जांच की कार्यवाही के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों का निदान, जहां कहीं भी प्रासंगिक पाया गया है, प्राधिकारी द्वारा इस अंतिम जांच परिणाम में किया गया है।
- (17) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का अगोपनीय वृत्तान्त भी प्रस्तुत करें और नियमावली के अनुसार प्राधिकारी द्वारा उसे सार्वजनिक फाईल में रखा गया था।
- (18) जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की कार्यवाही के दौरान आवश्यक सूचना देने से मना कर दिया है अथवा ऐसी सूचना अन्यथा प्रदान नहीं की है अथवा जांच में अत्यधिक अडचन डाली है, वहां प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है तथा "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपना निर्णय रिकार्ड किया है।

- (19) प्रकटन विवरण 19.2.2018 को जारी किया गया था जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचाराधीन आवश्यक तथ्य शामिल थे और प्रकटन विवरण के संबंध में टिप्पणियां, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने के लिए 23.2.2018 तक का समय दिया गया था। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन पश्चात टिप्पणियों पर उपयुक्त रूप से विचार किया है।
- (20) इस अधिसूचना में हितबद्ध पक्षकार द्वारा *** सूचना को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उस पर उसी प्रकार से विचार किया गया है।
- (21) इस जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई औसत विनिमय दर, 1 अमरीकी डालर = 66.53 रूपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद का कार्य-क्षेत्र और "समान वस्तु"

निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के निवेदन

5. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) विचाराधीन उत्पाद में मोनो और मल्टी शामिल हैं, जिन्हें आगे उनकी मोटाई के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है। याचिका में केवल एक विश्लेषण है, जो कि सही प्रतीत नहीं होता है।
- (2) वर्तमान याचिका के दायरे में 100% अथवा यदि मिश्रित है, तो 50% अथवा उससे अधिक नायलोन युक्त नेट शामिल हैं, लेकिन उसमें एचडीपीई से निर्मित फिशिंग नेट शामिल नहीं हैं।
- (3) एचडीपीई से निर्मित कृषि नेटों में नायलोन नहीं होता है और वर्तमान याचिका को बनाए नहीं रखा जा सकता है। उत्तर देने वाले निर्यातक के उत्पाद का एचएस कोड 5608.11.90 है और इसे गलती से 5608.11.10 अंकित किया गया है।
- (4) चूंकि वर्तमान याचिका में केवल नाईलोन फिशिंग नेट शामिल हैं और एचडीपीई से निर्मित कृषि नेट शामिल नहीं हैं, इसलिए हमारे द्वारा भारत को निर्यात किए जा रहे एचडीपीई से निर्मित कृषि नेटों पर पाटन-रोधी शुल्क लागू नहीं किए जाने चाहिए।
- (5) बंगलादेश में मोनोफिलेमेंट सिंथेटिक नायलोन फाईबर का विनिर्माण प्रतिबंधित है, इसलिए हम न तो मोनोफिलेमेंट से निर्मित फिशिंग नेट का विनिर्माण और न ही उनका निर्यात कर रहे हैं। बंगलादेश में मोनोफिलेमेंट से निर्मित फिशिंग नेट का विनिर्माण, विपणन और भंडारण आदि करना एक अपराध है। इसलिए हम केवल कृषि नेटों का विनिर्माण कर रहे हैं और उनका निर्यात भारत में कर रहे हैं। इसलिए इस आधार पर याचिका को खारिज किया जा सकता है।

घरेलू उद्योग के निवेदन

6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) वर्तमान जांच के लिए विचाराधीन उत्पाद "फिशिंग नेट" है। विचाराधीन उत्पाद का उपयोग मछली पकड़ने के लिए किया जाता है। नेट ग्रिड जैसे ढांचे में बुने हुए फाईबर से बनाए जाते हैं। अन्य सभी प्रकार के फिशिंग नेट अथवा अन्य नेट, विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर हैं।
- (2) "फिश नेट" एचडीपीई (हाई, डेन्सिटी पोलि, एथिलीन), नायलोन (नायलोन 6), पीपी (पोली पोलिएस्टर) और पोलिएस्टर यार्न से विनिर्मित किए जा सकते हैं। तथापि, विचाराधीन उत्पाद केवल नायलोन अथवा 50% से अधिक नायलोन के हैं।
- (3) याचिका में केवल नायलोन फिशिंग नेट शामिल हैं - चाहे वे 100% अथवा मिश्रित हैं। मिश्रित फिशिंग नेट के मामले में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में भार से 50% अथवा उससे अधिक नायलोन युक्त नेट शामिल हैं।
- (4) याचिकादाता द्वारा विनिर्मित तथा चीन और बंगलादेश देश से आयातित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद, भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी (घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों से उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली प्रौद्योगिकी में कोई ज्ञात विशेष अंतर नहीं है) कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय वस्तुएं हैं।
- (5) विचाराधीन उत्पाद दो प्रकार के हैं, नामतः नायलोन मल्टी फिलेमेंट यार्न से निर्मित फिशिंग नेट (जिसे मल्टीफिलेमेंट फिशिंग नेट के रूप में वर्णित किया गया है) और नायलोन मोनो फिलेमेंट यार्न से निर्मित फिशिंग नेट (जिसे मोनोफिलेमेंट फिशिंग नेट के रूप में वर्णित किया गया है)।

- (6) संबंधित उत्पाद के विनिर्देशन पर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाएगा और सीमा-शुल्क का यह वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह उत्पाद के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।
- (7) आयात मुख्यतया मोनोफिलेमेंट फिशिंग नेट के किए जाते हैं (जो कि लगभग 96.97% हैं), जबकि भारतीय उत्पादक, मुख्यतया मल्टीफिलेमेंट फिशिंग नेट का उत्पादन कर रहे हैं और उनको बेच रहे हैं।
- (8) फिशिंग नेट का उत्पादन करने की उत्पादन प्रक्रिया में सिंथेटिक फिलेमेंट शामिल होता है जो कि केपरोलेक्टम से निर्मित चिप्स होती है। उत्पादित यार्न दो श्रेणियों में होता है, नामतः नायलोन मल्टीफिलेमेंट यार्न और नायलोन मोनोफिलेमेंट यार्न। चिप्स का उपयोग मोनोफिलेमेंट यार्न का उत्पादन करने के लिए भी किया जाता है। इस प्रकार से उत्पादित यार्न का सीधा उपयोग मोनोफिलेमेंट किस्म के फिशिंग नेट का उत्पादन करने के लिए किया जाता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

7. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद “फिशनेट” अथवा “फिशिंग नेट” है।
8. “फिशिंग नेट” ऐसे उपकरण होते हैं, जो कि नेट ग्रिड जैसे ढांचे में बुने हुए फाईबर से बनाए जाते हैं। फिशिंग नेट सामान्यतया अपेक्षाकृत पतले धागे से गुंथे हुए जाले होते हैं। नायलोन की तकनीकी विशेषताओं के कारण नायलोन फिशनेट, विश्वभर में कुल फिशनेट की खपत का 65-70% से अधिक भाग बनता है। वर्तमान याचिका में केवल नायलोन फिशिंग नेट शामिल हैं, – चाहे वो 100 % हो अथवा ब्लेंडिड। ब्लेंडिड के मामले में इसके सीमा क्षेत्र में भारांश द्वारा 50% अथवा उससे अधिक नायलोन होता है।
9. उत्पाद का कोई विशिष्ट निर्धारित सीमा-शुल्क वर्गीकरण नहीं है। डीजीसीआईएंडएस द्वारा हमें उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार इस उत्पाद का आयात एचएस कोड 560811.10 के अंतर्गत किया जाता है। तथापि, सीमा-शुल्क का यह वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह किसी भी तरीके से उत्पाद के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।
10. विचाराधीन उत्पाद को आगे मोनोफिलेमेंट यार्न नेट और मल्टीफिलेमेंट यार्न नेट में वर्गीकृत किया जा सकता है। मोनोफिलेमेंट नेट का उत्पादन मोनोफिलेमेंट यार्न का उपयोग करके किया जा सकता है और मल्टीफिलेमेंट नेट के मामले में मल्टीफिलेमेंट यार्न का उपयोग किया जाता है तथा यार्न को पहले ट्विस्ट किया जाता है। उसके बाद हालांकि उत्पादन की प्रक्रिया समान है और उसमें वेफ्ट और वार्प नोटिंग के साथ नेटिंग, हीट स्ट्रेचिंग, डाईंग, एजिंग सामान्यकरण, जांच और पैकिंग शामिल होती है, फिर भी फिशिंग में मोनोफिलेमेंट नेट और मल्टीफिलेमेंट नेट का उपयोग बिल्कुल भिन्न होता है। तथापि, नेट की उपयोगी कार्य अवधि अधिकतम 6 महीनों तक की होती है और एक बार विक्षत हो जाने के बाद नेट की मरम्मत नहीं की जा सकती है। इसके विपरीत मल्टीफिलेमेंट नेट का उपयोग समुद्री तट पर/गहरे समुद्र में बड़ी मछली को पकड़ने के लिए किया जाता है। मल्टीफिलेमेंट नेटों की उपयोगी कार्य अवधि 2 से 2.5 वर्षों तक की होती है और इनके विक्षत हो जाने पर इनकी मरम्मत की जा सकती है।
11. एचडीपीई फिशिंग नेटों और कृषि नेटों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि वर्तमान जांच, नायलोन फिशिंग नेट – चाहे वे 100% अथवा मिश्रित हैं, जिनमें भार से 50% अथवा उससे अधिक नायलोन शामिल हैं, के पाटन के बारे में है। सभी अन्य प्रकार के फिशिंग नेट अथवा अन्य नेट वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर हैं।
12. याचिकादाताओं ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित तथा संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। याचिकादाताओं द्वारा किए गए निवेदनों के अनुसार विचाराधीन उत्पाद, भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय वस्तुएं हैं। उपभोक्ता इन दोनों वस्तुओं का उपयोग, एक दूसरे के स्थान पर कर सकते हैं और कर रहे हैं।
13. साथ ही आवेदक ने यह भी दावा किया है कि ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इसलिए नियमावली के अनुसार इन्हें “समान वस्तु” माना जाना चाहिए। इसलिए वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी, भारत में याचिकादाताओं द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयात की जा रही संबद्ध वस्तुओं के “समान वस्तु” मानते हैं।

घ. घरेलू उद्योग का कार्य-क्षेत्र और उसका आधार

निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

14. इस संबंध में निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (1) इस संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

15. घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र और उसके आधार के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (1) याचिका भारत में फिशनेट विनिर्माताओं की ओर से इंडियन फिशनेट मेन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा दायर की गई है। वर्तमान जांच के लिए एसोसिएशन के अठारह सदस्यों ने लागत और वित्तीय सूचना प्रदान की है। सी फैब्रिक्स (प्राईवेट) लिमिटेड और पेरिस नेट्स (प्राईवेट) लिमिटेड ने याचिका का समर्थन किया है।
 - (2) घरेलू उद्योग में समर्थकों के साथ विचाराधीन उत्पाद के अनेक उत्पादक शामिल हैं। इनमें से मोनो यार्न फिशिंग नेट के 11 उत्पादकों और मल्टी यार्न फिशिंग नेट के 3 उत्पादकों ने जांच के लिए आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। इसलिए समर्थकों के साथ घरेलू उद्योग में सभी प्रकार के विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माता शामिल हैं।
 - (3) कुल भारतीय उत्पादन में याचिकादाताओं के साथ समर्थकों का मुख्य भाग बनता है।
 - (4) याचिकादाता भारत में किसी भी आयातक अथवा संबद्ध देशों से किसी भी निर्यातक से संबंधित नहीं हैं और न ही उन्होंने नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के भीतर विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है। याचिकादाताओं ने नियमावली के अंतर्गत आधार की आवश्यकता को पूरा किया है और याचिकादाता पाटन-रोधी नियमावली की परिभाषा के भीतर घरेलू उद्योग बनते हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

16. पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

“(ख) ‘घरेलू उद्योग’ का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में लगे हुए हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में ‘घरेलू उद्योग’ पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

17. संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उद्योग के रूप में भारत में फिशनेट विनिर्माताओं की ओर से इंडियन फिशनेट मेन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा याचिका दायर की गई है। उपरोक्त एसोसिएशन के साथ पंजीकृत यूनिटों की संख्या 203 है।
18. रिकार्ड पर उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार आवेदक का उत्पादन, घरेलू उत्पादन का “एक प्रमुख भाग” बनता है। विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन, देश में मुख्यतया असंगठित क्षेत्र में है। संबद्ध वस्तुओं के अधिकतर भारतीय उत्पादक एसोसिएशन के सदस्य हैं।
19. आवेदक ने यह प्रमाणित किया है कि याचिकादाता कंपनियों द्वारा संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात नहीं किया गया है। चूंकि याचिकादाताओं का उत्पादन, भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल घरेलू उत्पादन का “एक प्रमुख भाग” बनता है, आवेदक आधार की आवश्यकता को पूरा करता है और वह नियमावली में उल्लिखित परिभाषा के भीतर “घरेलू उद्योग” बनता है। इसलिए प्राधिकारी का यह निर्णय है कि पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के भीतर आवेदक पात्र घरेलू उद्योग बनता है और आवेदक उपरोक्त नियमावली के नियम 5 (3) के अनुसार आधार के मानदंड को पूरा करता है।

ऊ. गोपनीयता**निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन**

20. गोपनीयता के बारे में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) घरेलू उद्योग द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है।
- (2) घरेलू उद्योग ने भारतीय उत्पादन के विवरण में उत्पादन के ब्यौरे प्रदान किए हैं, लेकिन उसे प्रपत्र IV-क में गोपनीय रखा गया है। भारतीय मांग को गोपनीय रखा गया है जिसका कोई औचित्य नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

21. गोपनीयता के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) चीन में निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में अत्यधिक गोपनीयता बना कर रखी है।

- (2) याचिकादाताओं ने जहां कहीं भी आवश्यकता हुई है, वहां गोपनीयता का दावा किया है और साथ ही जहां कहीं भी आवश्यकता हुआ है, उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किया है। हितबद्ध पक्षकार ऐसा एक भी दृष्टान्त प्रमाणित करने में विफल रहा है, जिसमें याचिकादाताओं ने गोपनीयता का दावा किया है, जहां सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध थी और वर्तमान मामले की आवश्यकता के मामले के बतौर जिसकी प्राधिकारी द्वारा अनुमति नहीं दी जा सकती है।
- (3) याचिकादाताओं के गोपनीयता के दावे प्राधिकारी की सुसंगत पद्धति के सुसंगत हैं। घरेलू उद्योग ने सभी क्षति प्राचलों की प्रवृत्तियां प्रदान की हैं, जो कि मामले के गुणावगुणों पर तर्क देने के लिए प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के लिए पर्याप्त है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

22. पाटन-रोधी नियमावली के नियम 7 में सूचना की गोपनीयता के बारे में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है :-

“7. गोपनीय सूचनाएं – (1) नियम 7 के उप-नियम (1), (2), (3) और (7) और नियम 14 के उप-नियम (2), नियम 17 के उप-नियम (4) और नियम 19 के उप-नियम (3) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 6 के उप-नियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।”

23. गोपनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों की जांच की गई है और उनका तदनुसार निदान कर दिया गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे सार्वजनिक फाईल में में उपलब्ध नहीं कराया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीयता आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय वृत्तान्त प्रदान करें।

24. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों का अगोपनीय वृत्तान्त सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जो सूचना सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है, उसे गोपनीय नहीं माना जा सकता है।

अनुबंध-2

बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

25. इस संबंध में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) नियमावली के अनुसार प्रतिवादी निर्यातकों के लिए विशिष्ट पृथक मार्जिन का मूल्यांकन करने की आवश्यकता है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

26. अन्य बातों के साथ-साथ घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (2) चीन जनवादी गणराज्य को जांच शुरू करने के चरण में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया था।
- (3) अभिगमन नयाचार का एक प्रावधान 11 दिसंबर 2016 को समाप्त हो गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को वर्तमान जांच की आगे की कार्यवाई, चीन में उत्पादकों को नीचे दिए गए कारणों से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं में प्रचालन करने वाले उत्पादकों के बतौर माने जाने पर करने की आवश्यकता है।

- (4) चीन की अभिगमन नयाचार के अनुच्छेद 15 (ख) से यह स्पष्ट होता है कि धारा 15 (क)(2) चीन के अभिगमन की तारीख से 15 वर्षों में समाप्त हो जाएगी अर्थात् पैराग्राफ के प्रावधान 15 वर्ष तक अर्थात् दिसंबर, 2016 तक मान्य होंगे। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्राधिकारी को सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए लागत और प्रक्रिया पर विचार करना होगा।
- (5) इस संबंध में प्रासंगिक तर्क जांच अवधि होना चाहिए। जांच अवधि निर्धारित करने का प्रयोजन ऐसी अवधि पर विचार करना है, जब कि क्षति के लिए जिम्मेदार पाटन होने की मौजूदगी प्रमाणित हो जाती है और जांच अवधि के बाद होने वाली घटनाएं निर्धारण के लिए प्रासंगिक नहीं होती हैं। चूंकि वर्तमान जांच में जांच अवधि 1 अप्रैल, 2015 से 30 सितंबर, 2016 (18 महीनों) तक की है, इसलिए चीन के अभिगमन नयाचार की धारा 15 के प्रावधान वर्तमान जांच अवधि पर पूरी तरह से लागू होंगे। चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर किया जाना चाहिए।
- (6) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि -
- (क) चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतों में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है;
- (ख) रूपान्तरण की प्रक्रिया दस्तावेजी साक्ष्यों से पूरी तरह से प्रमाणित नहीं हो जाती है;
- (ग) चीन के प्रतिवादी निर्यातक नियमावली के निर्धारित प्रत्येक मापदंड के संबंध में जांच पर खरे नहीं उतरते हैं। यह स्थिति वास्तविक क्षति के लिए अपेक्षित जांच के ठीक विपरीत है। यह एक विधिवत स्वीकार की गई स्थिति है कि क्षति का सकारात्मक जांच परिणाम उस स्थिति में भी दर्ज किया जा सकता है जब तक एक ही मापदंड से क्षति की पुष्टि होती हो। अन्य शब्दों में जहां क्षति की मौजूदगी की पुष्टि करने के लिए एक मापदंड पर्याप्त है, वहीं बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के दावे को रद्द करने के लिए एक ही मापदंड पर खरे उतरने में विफलता पर्याप्त है;
- (घ) जब तक प्रतिवादी कंपनी और उसका समूह समग्र रूप में इसका दावा नहीं करते हैं। यदि उक्त समूह के भागस्वरूप एक या अधिक कंपनियों ने उत्तर दायर नहीं किया है तो बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को अस्वीकृत किया जाना चाहिए।
- (7) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करता है कि उनकी बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप की जाती है- ऐसी स्थितियों में बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार को खारिज किया जाना चाहिए जिनमें चीन के निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ रहे हैं कि उनकी बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों (आईएएस) के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित राजस्व एवं व्यय, परिसंपत्तियों और देयताओं की सत्यता और यथातथ्यता सुनिश्चित करने के लिए है।
- (8) प्रमाण प्रस्तुत करने का दायित्व चीन में प्रतिवादी निर्यातकों का है कि वे यह सिद्ध करें कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की दशा में प्रचालन कर रहे हैं और वे बाजार अर्थव्यवस्था के निरूपण को प्राप्त करने के हकदार हैं।
- (9) ऐसे मामले में चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नियम 8 (2) के परन्तुक को लागू किए बिना केवल पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार किया जा सकता है।
- (10) चीन में उत्पादकों को उनकी निर्यात कीमत तक विशिष्ट पृथक मार्जिन स्वीकृत किया जा सकता है। चीन में प्रतिवादी निर्यातकों की लागत और बिक्री कीमत को, उनकी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली स्थिति के कारण स्वीकार नहीं किया जा सकता है।
- (11) अनुचित गोपनीयता के दावे करने, उत्पादन में शामिल संबंधित प्रयोज्यताओं के विद्यमान होने और संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करने, केप्टिव इनपुट और प्राप्त हुई आर्थिक सहायता के तथ्यों को छिपाए जाने के कारण निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तरों को खारिज कर दिया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

27. चीन की अभिगमन नयाचार नीति के अनुच्छेद 15 में उल्लिखित व्यवस्था निम्नानुसार है:-

“गॉट 1994 के अनुच्छेद 6, टैरिफ और व्यापार संबंधी सामान्य करार, 1994 (“पाटन-रोधी करार”) और एससीएम करार, विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देश में चीन मूल के होने वाले आयातों से संबंधित कार्रवाई पर लागू होते हैं, जिनमें निम्नोक्त शामिल हैं:-

(क) गॉट 1994 के अनुच्छेद 6 और पाटन-रोधी करार के अंतर्गत कीमत में तुलनीय क्षमता का निर्धारण करने के लिए विश्व व्यापार संगठन का सदस्य देश, जांच अधीन उद्योग के लिए या तो चीन की कीमतें या जांच अधीन उद्योग के लिए लागतों या एक ऐसी कार्य-प्रणाली जो कि घरेलू कीमतों से कड़ी प्रतिस्पर्धा पर आधारित नहीं है या निम्नलिखित नियमों पर आधारित चीन में लागतों का उपयोग करेगा:-

- (1) यदि जांच अधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह दर्शा सकते हैं कि उक्त उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं प्रचलित हैं, तो विश्व व्यापार संगठन का आयातक देश कीमत में तुलनीय क्षमता का निर्धारण करने के लिए चीन की कीमतें अथवा जांच अधीन उद्योग के लिए लागतों को प्रयुक्त करेगा।
- (2) विश्व व्यापार संगठन का आयातक देश ऐसी कार्य-प्रणाली प्रयुक्त कर सकता है, जो कि चीन में घरेलू कीमतों या लागतों की कड़ी तुलना पर आधारित नहीं है, यदि जांच अधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह नहीं दर्शा सकते हैं कि उक्त उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं प्रचलित नहीं हैं।

(ख) यदि विश्व व्यापार संगठन के आयातक देश की राष्ट्रीय विधि के अंतर्गत यह प्रमाणित हो जाता है कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है, तो उप-पैरा (क) के प्रावधान समाप्त हो जायेंगे, बशर्ते कि आयातक सदस्य देश की राष्ट्रीय विधि में अभिगमन की तारीख को बाजार अर्थव्यवस्था का मानदंड निहित हो। किसी भी स्थिति में उप-पैरा (क) (2) के प्रावधान अभिगमन की तारीख से 13 वर्षों के बाद समाप्त हो जायेंगे। इसके अतिरिक्त यदि चीन विश्व व्यापार संगठन के आयातक देश की राष्ट्रीय विधि के अनुसरण में यह प्रमाणित कर देता है कि एक विशिष्ट उद्योग या क्षेत्र में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं प्रचलित हैं, तो उप-पैरा (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उक्त उद्योग या क्षेत्र पर बिल्कुल लागू नहीं होंगे।

(ग) विश्व व्यापार संगठन के आयातक सदस्य को उप-पैराओं के अनुसार (क) पाटन-रोधी पद्धतियों संबंधी समिति और (ख) आर्थिक सहायता और प्रतिकारी उपायों संबंधी समिति को प्रयुक्त कार्य-प्रणालियों को अधिसूचित करना होगा।

(घ) विश्व व्यापार संगठन के आयातक सदस्य की राष्ट्रीय विधि के अंतर्गत चीन द्वारा यह प्रमाणित कर दिए जाने पर कि वह एक बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है, उप-पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त हो जायेंगे, बशर्ते कि आयातक सदस्य की राष्ट्रीय विधि में अभिगमन की तारीख को बाजार अर्थव्यवस्था का मानदंड निहित हो। किसी भी स्थिति में उप-पैरा (क) (2) के प्रावधान, अभिगमन की तारीख के 15 वर्षों के बाद समाप्त हो जायेंगे। इसके अतिरिक्त यदि विश्व व्यापार संगठन के आयातक सदस्य की राष्ट्रीय विधि के अनुसरण में चीन यह प्रमाणित करता है कि किसी विशिष्ट उद्योग अथवा क्षेत्र में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं प्रचलित हैं, तो उप-पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उक्त उद्योग अथवा क्षेत्र पर लागू नहीं होंगे।

28. अनुच्छेद 15 से यह स्पष्ट होता है कि उपरोक्त एक उप-पैरा के प्रावधान, चीन के अभिगमन की तारीख से 13 वर्षों के बाद समाप्त हो जायेंगे। इस पैरा के प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए हैं। चूंकि जांच अवधि के आधार पर घरेलू उद्योग को पाटन के कारण क्षति के तथ्य की पुष्टि हो चुकी है, जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि के दौरान प्रचलित दशाएं ही प्रासंगिक, उपयुक्त और आवश्यक हैं। वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि अप्रैल, 2015 से सितंबर, 2016 तक की है। चूंकि अनुच्छेद 15 का उप-पैरा जांच अवधि के दौरान विद्यमान था, प्राधिकारी एक ऐसी कार्य-प्रणाली प्रयुक्त कर सकते हैं, जो कि चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों की कड़ी तुलना पर आधारित हो, यदि जांच अधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह नहीं दर्शाते हैं कि उक्त उत्पाद का विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री करने के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं प्रचलित हैं।

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में भारत और विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों द्वारा पाटन-रोधी जांच में चीन जनवादी गणराज्य को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। चीन जनवादी गणराज्य को तब तक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है, जब तक कि नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा विशिष्ट निर्यातकों द्वारा ऐसी पूर्वधारणा का खंडन नहीं कर दिया जाता है।

30. चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण का दावा नहीं किया है। उपरोक्त स्थिति को और चीन की किसी भी कंपनी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की पूर्वधारणा का खंडन नहीं किए जाने को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह उचित समझते हैं कि वर्तमान जांच में चीन जनवादी गणराज्य को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए और

उनका प्रस्ताव है कि चीन जनवादी गणराज्य के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार आगे की कार्यवाई की जाए।

(क) चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

31. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ अनुबंध-1 के पैरा 7 को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। भारत में चीन जनवादी गणराज्य से आयातित संबद्ध उत्पादों के लिए सामान्य मूल्य की संरचना, घरेलू उद्योग के लिए सभी स्तरों पर प्रमुख कच्चे माल के लिए घरेलू उद्योग के अनुकूलतम खपत मानदंडों, घरेलू उद्योग की कीमतों के अनुसार कच्चे माल की लागत, परिवर्तन लागत, व्याज, एसजीए आदि को ध्यान में रख कर की गई है, जिसमें उचित लाभ के लिए व्याज रहित बिक्रियों की लागत के 5% की स्वीकृति दी गई है।

(ख) चीन जनवादी गणराज्य में प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान जांच में निर्यात की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं:-

(क) अनहुल लाईट इंडस्ट्रीज इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड

(ख) चाओहू टेंगडा फिशिंग गियर कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)

33. प्राधिकारी द्वारा उत्तरों की जांच करने के बाद निर्यातक के आंकड़े सत्यापित किए गए थे। डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों की जांच की गई है। निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़े सत्यापित किए गए थे और निर्यातक की प्रश्नावली के परिशिष्ट-वार उत्तर की जांच की गई है।

34. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों को स्वीकार किया है और उसके बाद प्राधिकारी ने निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए उनका सत्यापन किया है।

35. प्राधिकारी ने रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों के अनुसार अन्य उत्तर नहीं देने वाले निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। इसलिए प्राधिकारी ने रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों के अनुसार चीन जनवादी गणराज्य से उत्तर नहीं देने वाले सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। ऐसे उत्तर देने वाले निर्यातक के लिए जिसकी निर्यात कीमतों और कीमत समायोजनों का सत्यापन किया गया है, उनकी परिशिष्ट-वार सूचना में भारत को दी गई उनकी कीमतों को ध्यान में रखने के बाद निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। अन्य निर्यातकों के लिए इन सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार सीआईएफ निर्यात कीमत का समायोजन, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतरदेशीय भाड़े, पटन व्यय और बैंक कमीशन के लिए किया गया है।

36. इस प्रकार से आकलित पाटन मार्जिन को नीचे तालिका में समूह-वार दर्शाया गया है।

बंगलादेश का सामान्य मूल्य

37. बंगलादेश में किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने इस जांच में प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया है। बंगलादेश में निर्यातकों/उत्पादकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने रिकार्ड पर श्रेष्ठ उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखते हुए उनके लिए सामान्य मूल्य संरचित किया है।

बंगलादेश से निर्यात कीमत

38. बंगलादेश में किसी भी निर्यातक ने निर्यात कीमत के व्यौरों के संबंध में कोई सूचना प्रदान नहीं की है। इसलिए प्राधिकारी ने बंगलादेश में निर्यातकों/उत्पादकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण, डीजीसीआईएंडएस के कारोबार-वार आंकड़ों के आधार पर किया है। तदनुसार, श्रेष्ठ उपलब्ध सूचना के आधार पर बंगलादेश से सभी निर्यातकों के संबंध में कारखाना-गत स्तर पर भारित औसत निबल निर्यात कीमत का निर्धारण, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पटन व्यय, बैंक प्रभारों, कमीशन और अंतरदेशीय भाड़े के लिए उचित समायोजन करने के बाद किया गया है, जैसा की नीचे तालिका में दर्शाया गया है।

पाटन मार्जिन

39. जांच अवधि के दौरान संबंधित देशों से सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है, जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

| पाटन मार्जिन | | | | | | | |
|--------------|---|--|--|---------------------------------------|-------------------------------|----------------------|----------------------|
| क्रमांक | उत्पादक | निर्यातक | सामान्य मूल्य अमरीकी डालर/कि.ग्रा. | निबल निर्यात कीमत रूपए/कि.ग्रा. | पाटन मार्जिन रूपए/कि.ग्रा. | पाटन मार्जिन % | पाटन मार्जिन सीमा |
| 1. | चाओहू टेंगडा फिशिंग गियर कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) | अनहुई लाईट इंडस्ट्रीज इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड | *** | *** | *** | *** | 40-50 |
| 2. | एसएन1 से भिन्न -चीन से सभी उत्पादक | एसएन1 से भिन्न -चीन से सभी निर्यातक- | *** | *** | *** | *** | 80-90 |
| 3. | बंगलादेश से सभी उत्पादक | बंगलादेश से सभी निर्यातक | *** | *** | *** | *** | 120-130 |

ख. क्षति और कारणात्मक संबंध

निर्यातक, आयातक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

40. घरेलू उद्योग की क्षति के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (1) निर्दिष्ट प्राधिकारी को वर्तमान जांच शुरू नहीं करनी चाहिए और तदनुसार इसे तत्काल समाप्त कर दिया जाना चाहिए क्योंकि याचिकादाताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज अबोधगम्य हैं और विभिन्न प्राचलों के संबंध में भ्रामक हैं।
 - (2) कोई क्षति और पाटन नहीं हुआ है तथा यदि उपाय लागू नहीं किए जाते हैं, तो आर्थिक क्षति होने का कोई खतरा नहीं है।
 - (3) जांच शुरू करने की अधिसूचना में जांच अवधि अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 (12 महीनों) तक की है, जबकि जांच अवधि के अतिरिक्त चार वर्षों के आंकड़े दिए गए हैं और वित्तीय वर्ष 2015-16 को तात्कालिक विगत वर्ष माना गया है। जांच अवधि के सही और वास्तविक आंकड़े नहीं होने की स्थिति में प्राधिकारी ने किसी आधार पर जांच शुरू की है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां मांगी हैं। प्राधिकारी को घरेलू उद्योग को यह निर्देश देना चाहिए कि वह जांच अवधि के लिए सभी क्षति के प्राचलों की सूचना दे, जैसा कि जांच शुरू करने की अधिसूचना में है।
 - (4) क्षति का विश्लेषण विकृत है और यह दिनांक 12.04.2014 की व्यापार सूचना संख्या 2/2004 के अनुसार नहीं है। जांच अवधि के अतिरिक्त चार वर्षों के आंकड़े दिए गए हैं और वित्तीय वर्ष 2015-16 को तात्कालिक विगत वर्ष माना गया है, विकृत और गलत परिणाम देगा। घरेलू उद्योग को वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15 और जांच अवधि के क्षति के आंकड़े प्रस्तुत करने चाहिए।
 - (5) पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के दावे, अलग-अलग मद की तुलना नहीं किए जाने के कारण गंभीर रूप से विकृत हैं। सभी मात्रात्मक प्राचलों ने स्पष्ट वृद्धि दर्शाई है और वर्ष 2015-16 को विगत वर्ष मानने और साथ ही जांच अवधि के कारण कीमत के प्राचल गंभीर रूप से विकृत हैं। यदि पाटन और क्षति के दावों में व्याप्त कमी को पूरा कर दिया जाता है, तो यह पता चलेगा कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।
 - (6) जब याचिकादाताओं ने 100 से 110% कीमत कटौती होने का दावा किया है, तब घरेलू उद्योग ने कैसे अपनी बिक्रियों को लाभप्रद कीमतों तक बढ़ा दिया है और अपने प्रचालन को उचित स्तर पर बना कर रखा हुआ है। यदि घरेलू उद्योग यही दोहराता

है कि ऐसी कीमत कटौती सही है, तो उसकी आगे जांच किए जाने की आवश्यकता है और यदि कीमत कटौती शामिल किस्मों के कारण है, तो किस्म पर बल देते हुए अलग-अलग मद की तुलना प्रदान करनी चाहिए।

- (7) चक्रवात (ओकची) के कारण मछुआरों ने अपने फिशिंग गियर को गंवा दिया है, जो कि मुख्यतया फिशिंग नेट है और उन्हें उसे प्राप्त करने की आवश्यकता है तथा ऐसा समझा जाता है कि केन्द्रीय और राज्य सरकारें उसके लिए बड़े वित्तीय पैकेज पर विचार कर रही हैं। कोई भी पाटन-रोधी शुल्क मछुआरों की मुसीबतों को बढ़ाएगा। जब मांग अधिक है तो उत्पादक पाटन-रोधी शुल्क को एक साधन के रूप में प्रयुक्त करेगा।
- (8) इस मामले में पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध होने के दावे सही नहीं हैं और उसमें अलग-अलग मामले की तुलना नहीं किए जाने के कारण कमी हैं। सभी मात्रात्मक प्राचलों ने स्पष्ट वृद्धि दर्शाई है और वर्ष 2015-16 को विगत वर्ष माने जाने और साथ ही जांच अवधि के कारण कीमत प्राचल गंभीर रूप से विकृत हैं। यदि एक बार पाटन और क्षति के दावों की कमियों को पूरा कर दिया जाता है, तो इससेपता चलेगा कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।
- (9) जब याचिकादाताओं ने 100 से 110% कीमत कटौती होने का दावा किया है, तब घरेलू उद्योग ने कैसे अपनी बिक्रियों को लाभप्रद कीमतों तक बढ़ा दिया है और अपने प्रचालन को उचित स्तर पर बना कर रखा हुआ है। इस संबंध में ब्रिजस्टोन टायर मेन्युफेक्चरिंग (थाईलैंड) बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले का हवाला दिया जाता है। यदि घरेलू उद्योग यही दोहराता है कि ऐसी कीमत कटौती सही है, तो उसकी आगे जांच किए जाने की आवश्यकता है और यदि कीमत कटौती शामिल किस्मों के कारण है, तो किस्म पर बल देते हुए अलग-अलग मद की तुलना प्रदान करनी चाहिए।
- (10) घरेलू उद्योग को वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15 और जांच अवधि के क्षति के आंकड़े देने चाहिए।
- (11) जांच अवधि के अतिरिक्त चार वर्षों के आंकड़े दिए गए हैं और वित्तीय वर्ष 2015-16 को तात्कालिक विगत वर्ष माने जाने से विकृत और गलत परिणाम निकलेंगे।
- (12) प्रवृत्ति विश्लेषण और आर्थिक प्राचलों की तुलना दोषपूर्ण हैं क्योंकि घरेलू उद्योग ने दिनांक 12.04.2004 की व्यापार सूचना संख्या 2/2004 के अनुसार विगत तीन वर्षों और जांच अवधि की सूचना प्रदान नहीं की है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

41. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) याचिकादाताओं ने प्रारंभ में प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई जांच के आधार पर जांच अवधि, अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 तक की सूचना प्रदान की है। प्राधिकारी ने जांच शुरू करने की निकटस्थ अवधि के आंकड़ों की जांच करना आवश्यक समझा है और तदनुसार घरेलू उद्योग द्वारा बढ़ाई गई अवधि के लिए जांच की अवधि अप्रैल, 2016 से सितंबर, 2016 निर्दिष्ट की गई है।
- (2) याचिकादाताओं ने जांच के लिए जांच शुरू किए जाने के बाद अप्रैल, 2015 से सितंबर, 2016 (18 महीनों) तक की अवधि के लिए समस्त संशोधित सूचना प्रदान की है। तथापि, क्षति जांच की अवधि में वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15 और अप्रैल, 2015 से सितंबर, 2016 (जांच अवधि) तक की अवधि शामिल होगी।
- (3) आधार वर्ष से ले कर जांच अवधि तक संबद्ध देशों से कुल आयातों में समग्र वृद्धि हुई है। लगभग 96-97% आयात हुए हैं और उसके परिणाम स्वरूप आयातों में ऐसी वृद्धि मोनोफिलेमेंट फिशिंग नेट श्रेणी में हुई है। समस्त क्षति अवधि में खपत के साथ-साथ उत्पादन के संबंध में आयातों में वृद्धि हुई है।
- (4) उत्पाद के आयात पहले से मोनोफिलेमेंट श्रेणी में हुए हैं, जब कि मल्टी फिलेमेंट श्रेणी में क्षति होने का खतरा है, जिसमें जांच अवधि के दौरान आयातों में लगभग 7% की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त याचिकादाता कंपनियों का 32.38% उत्पादन मोनोफिलेमेंट श्रेणी में और 67.62 % उत्पादन मल्टी फिलेमेंट श्रेणी में है।
- (5) आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अत्यधिक कम रही है, जिसके परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान उसकी कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है।
- (6) क्षति अवधि के दौरान बिक्रियों की यूनिट लागत और घरेलू बिक्री कीमत की तुलना करने से स्पष्ट पता चलता है कि समस्त क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की बिक्रियों की लागत और बिक्री कीमत में वृद्धि हुई है। लेकिन बिक्री कीमत में वृद्धि, बिक्रियों की लागत में हुई वृद्धि से कम है। संबद्ध वस्तुओं के आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का अत्यधिक ह्रास और न्यूनीकरण कर रहे हैं।

- (7) याचिकादाताओं ने मोनो और मल्टी फिलेमेटों के बीच प्रत्येक आर्थिक प्राचल के संबंध में वित्तीय और आर्थिक कार्य-निष्पादन का पहले से ही पृथक्कीकरण किया हुआ है।
- (8) आधार वर्ष से जांच अवधि तक घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्रियों में वृद्धि हुई है। देश में पाटन होने के कारण क्षमता उपयोग स्थिर बना हुआ है। इसके अतिरिक्त उत्पादन और बिक्रियों की मात्रा में वृद्धि, देश में उत्पाद के लिए मांग में हुई वृद्धि और घरेलू उद्योग के पास और देश में उपलब्ध क्षमताओं के स्तर से कम है। घरेलू उद्योग के पास क्षमताएं विद्यमान होने के बावजूद वह अपने बाजार के हिस्से को गंवा रहा है।
- (9) इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता में वृद्धि हुई है। क्षमताओं में वृद्धि होने के बावजूद आयात तीव्रता से बढ़ रहे हैं।
- (10) मांग में सकारात्मक वृद्धि हुई है, जो कि पाटित आयातों द्वारा अधिग्रहीत की जा रही है। कीमत में इतना अधिक अंतर है कि घरेलू उद्योग आयात कीमत पर इनपुट की अपनी लागत को भी वसूल नहीं कर पाएगा।
- (11) इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की समग्र लाभप्रदता में वृद्धि हुई है, लेकिन मोनोफिलेमेट फिशिंग नेट में पहले वर्ष 2015-16 तक सुधार हुआ है और उसके बाद अप्रैल से सितंबर, 2016 तक उसमें अत्यधिक गिरावट आई है जिसके कारण घरेलू उद्योग को इस अवधि में वित्तीय घाटे हुए हैं। इसके अतिरिक्त मोनोफिलेमेट फिशिंग नेट में लाभ, मल्टीफिलेमेट फिशिंग नेट में लाभ से बहुत कम है (जो कि 1/10 तक भी नहीं है)। एक ओर तो मोनोफिलेमेट फिशिंग नेट और मल्टीफिलेमेट फिशिंग नेट के बीच लाभ में अत्यधिक अंतर व्याप्त है और दूसरी ओर वर्ष 2015-16 और अप्रैल-सितंबर, 2016 के बीच उसने स्वतः घरेलू उद्योग पर पाटन के प्रतिकूल प्रभाव को सिद्ध कर दिया है।
- (12) प्रतिलाभ और नकदी लाभ की भी वही प्रवृत्ति रही है, जैसे कि लाभ की प्रवृत्ति है। मल्टीफिलेमेट फिशिंग नेट की तुलना में मोनोफिलेमेट फिशिंग नेट में नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ बहुत कम है। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर विकट प्रभाव पड़ रहा है और यह प्रतिकूल है।
- (13) आधार वर्ष से ले कर जांच अवधि तक कर्मचारियों की संख्या और भुगतान किए गए वेतन, दोनों में वृद्धि हुई है।
- (14) मात्रात्मक प्राचलों के रूप में (बाजार के हिस्से को छोड़ कर) घरेलू उद्योग की संवृद्धि सकारात्मक रही है, जब कि बाजार के हिस्से और कीमत प्राचल के रूप में यह नकारात्मक थी।
- (15) संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है, बल्कि बहुत भारी भी है। घरेलू उद्योग पर पाटन का अत्यधिक प्रभाव पड़ा है। वास्तव में पाटन धीरे-धीरे गहन होता जा रहा है।
- (16) बंगलादेश और चीन जनवादी गणराज्य से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हो रही है। घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रोद्योगिकी, संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा अपनाई गई प्रोद्योगिकी के तुलनीय है। विनिर्माण प्रक्रिया में कोई विशेष अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग को हो रही वर्तमान क्षति का एक मात्र कारण बाजार में पाटित आयातों की उपलब्धता है। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (17) ओकची चक्रवात वर्ष 2015 में आया था और वर्ष 2012-13 से विचाराधीन उत्पाद की मांग में निरंतर स्थिर गति से वृद्धि हुई है। इसलिए प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों की यह अवधारणा निराधार है कि ओकची चक्रवात के कारण मांग में कथित वृद्धि हुई है।
- (18) जन हित के संबंध में उल्लेखनीय है कि सामान्यतः पाटन-रोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करना है, ताकि भारतीय बाजार में मुक्त और पक्षपात रहित प्रतिस्पर्धा कायम हो सके, जो देश के सामान्य हित में है। इसलिए, पाटन-रोधी उपाय लागू करने से किसी भी तरीके से संबद्ध देश/क्षेत्र से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इनसे उपभोक्ताओं को उचित कीमतों पर उत्पादों की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। विदेशी निर्यातकों को भारत में जन हित के बारे में चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

42. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को नोट कर लिया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच, पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को ध्यान में रख कर की है।
43. क्षति नहीं होने से संबंधित निवेदनों के बारे में नीचे किया गया क्षति विश्लेषण, स्वतः स्पष्ट है, जो यह सिद्ध करता है कि पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
44. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए निवेदनों की जांच की गई है और निम्नानुसार संबोधित किए गए हैं:

45. प्राधिकारी द्वारा ए.डी. नियमावली के तहत मात्रा और कीमत प्रभाव, दोनों, की जांच द्वारा क्षति की जांच किया जाना जरूरी है। क्षति के निर्धारण में इन दोनों की उद्देश्यपूर्ण जांच शामिल है (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का परिणामी प्रभाव और (ख) घरेलू उद्योग पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जाना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है चाहे वह कुल रूप में हो या भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष में। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जाना जरूरी है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत से तुलना किए जाने पर पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों के प्रभाव ने महत्वपूर्ण स्तर तक कीमतों में अन्यथा रूप से हास किया है या कीमतों में वृद्धि को रोका है जो अन्यथा उल्लेखनीय सीमा तक घटित हुआ होता।

46. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध -II के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख किया गया है:

IV. संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।

47. यह जरूरी नहीं है कि क्षति के सभी मापदंड हास दर्शाएं। कुछ पैरामीटर हास को दर्शाते हैं, जबकि कुछ सुधार दर्शाते हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी सभी क्षति मापदंडों पर विचार करते हैं और उसके पश्चात निष्कर्ष निकालते हैं कि क्या पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है या नहीं। प्राधिकारी ने निवेदनों में प्रस्तुत सभी तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति पैरामीटरों की उद्देश्यपूर्ण जांच की है।

48. प्राधिकारी को तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि. से भी एक पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें घरेलू उद्योग को होने वाले नुकसान और उनके द्वारा उठाई जा रही क्षति के बारे में कहा गया है। इसमें बताया गया है कि सस्ती कीमत पर भारत में चीनी जालों के आयात में तीव्र वृद्धि के कारण ही पिछले दो वर्षों में फिशनेट विनिर्माता के व्यापार निष्पादन में तीव्र गिरावट आई है।

संचयी मूल्यांकन

49. नियमावली के अनुबंध-II (iii) में संचयी मूल्यांकन के संबंध में निम्नानुसार व्यवस्था की गई है :- यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि - **(क)** प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है तथा **(ख)** आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

50. प्राधिकारी ने नोट किया है कि संबद्ध देशों से एक साथ भारतीय बाजार में पाटित आयात प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के संचयी आकलन के मुद्दे की नियमावली के अनुबंध -II (iii) के मापदंडों के संबंध में जांच की गई है। यह अवलोकन किया गया कि:

क. प्रत्येक संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;

ख. प्रत्येक संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है;

ग. संबद्ध देशों से आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं।

51. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने धारित किया है कि आयातित उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उचित होगा।

52. प्राधिकारी ने नोट किया है कि व्यवहार्य सीमा तक और पृथक रूप से उपलब्ध समान वस्तु के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई गई है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में प्राप्त सूचना और याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा अनुरक्षित रिकार्डों के आधार पर प्राप्त सूचना का आश्रय लिया है।

53. यह नोट किया गया है कि क्षति पैरामीटरों की जांच पृथक् रूप से अर्थात् मोनो फिलामेंट यार्न नेट और मल्टी फिलामेंट यार्न नेट तथा समेकित रूप से की गई है ताकि आंकड़ों और घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जा रही क्षति को बेहतर रूप से समझा जा सके।

पाटित आयातों की मात्रा प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

मांग का मूल्यांकन

54. भारत में विचाराधीन उत्पादन की मांग को भारतीय उत्पादकों और सभी स्रोतों से आयातों की बिक्री के योग के रूप में निर्धारित किया गया है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि पूरी क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है।

| विवरण | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई (वार्षिकीकृत) |
|---------------------------------|----------|---------|---------|---------|------------------------|
| घरेलू उद्योग की बिक्री | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 115 | 125 | 138 |
| अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री | मी.टन. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 121 | 138 | 151 |
| कुल घरेलू बिक्री | मी.टन. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 120 | 134 | 148 |
| आयात - संबद्ध देश | मी.टन. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 134 | 181 | 275 |
| आयात- अन्य देश | मी.टन. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 76 | 107 | 177 |
| कुल मांग | मी.टन. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 120 | 136 | 152 |
| मोनोफिलामेंट | मी.टन. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 120 | 132 | 136 |
| मल्टीफिलामेंट | मी.टन. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 120 | 138 | 164 |

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

55. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जरूरी है कि क्या भारत में पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है चाहे वह कुल रूप में हो या भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष में। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा को निम्नानुसार विश्लेषित किया है:-

| आयात मात्रा | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई (वार्षिकीकृत) |
|-------------|----------|---------|---------|---------|------------------------|
| संबद्ध देश | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 134 | 180 | 274 |

| आयात मात्रा | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई (वार्षिकीकृत) |
|----------------------------------|----------|---------|---------|---------|------------------------|
| बांग्लादेश आर पी | मी.टन | - | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | - | 100 | 257 | 541 |
| चीन | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 120 | 144 | 202 |
| मोनोफिलामेंट श्रेणी | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 136 | 187 | 284 |
| बांग्लादेश आर पी | मी.टन | - | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | - | 100 | 257 | 541 |
| चीन | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 120 | 147 | 216 |
| खपत के संबंध में आयात | % | 8% | 9% | 11% | 16% |
| भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात | % | 31% | 38% | 46% | 60% |
| मल्टीफिलामेंट श्रेणी | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | मी.टन | 100 | 110 | 109 | 177 |
| बांग्लादेश | मी.टन | - | - | - | - |
| चीन | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 111 | 109 | 179 |
| अन्य देश | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 76 | 107 | 176 |
| कुल आयात | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 118 | 161 | 248 |
| खपत के संबंध में आयात | % | 3% | 4% | 5% | 6% |
| भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात | % | 10% | 12% | 14% | 19% |

56. यह नोट किया गया है कि :

- पूरी क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, आयातों में वृद्धि मुख्य रूप से मोनोफिलामेंट श्रेणी में है।
- पूरी क्षति अवधि के दौरान उत्पादन और खपत के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, चूंकि, पीयूसी के आयात मुख्यरूप से मोनोफिलामेंट श्रेणी में थे, आयातों की मात्रा की केवल मोनोफिलामेंट श्रेणी के लिए बाजार पर विचार करते हुए जांच की गई थी।

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव**कीमत कटौती**

57. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा उल्लेखनीय कीमत में कटौती हुई है या क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में उल्लेखनीय स्तर तक ह्रास हुआ है या इसने कीमतों में वृद्धि को रोका है जो अन्यथा रूप से घटित हुआ होता।

58. इस संबंध में, उत्पाद के पहुंच मूल्य और व्यापार के समान स्तर पर सभी छूटों और करों को घटाकर घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमत को कारखानागत स्तर पर निर्धारित किया गया था। इस उद्देश्य के लिए, प्राधिकारी ने नोट किया है कि मोनो यार्न फिशिंग नेट और मल्टी यार्न फिशिंग नेट की कीमत में उल्लेखनीय अंतर है। इसलिए, प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना योग्य प्रकारों के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ तुलना की है। इस प्रकार, भारांशित औसत कीमत कटौती को संबद्ध आयात मात्राओं पर विचार करने के बाद निर्धारित किया गया है। यह तुलना दर्शाती है कि जांच की अवधि के दौरान, संबद्ध देशों के मूल की संबद्ध वस्तुओं को ऐसी कीमतों पर भारतीय बाजार में आयातित किया गया था जो घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना में निम्न थी। इस प्रकार यह नोट किया गया है कि संबद्ध वस्तुओं के आयात घरेलू कीमतों में कटौती कर रहे थे और कटौती का मार्जिन नीचे सारणी के अनुसार दर्शाया गया है:-

| विवरण | यूनिट | चीन | बांग्लादेश | संबद्ध देश |
|----------------------|---------------|--------|------------|------------|
| आयातों की पहुंच कीमत | रू./कि.ग्रा.. | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 76 | 94 |
| निवल बिक्री प्राप्ति | रू./कि.ग्रा.. | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 100 | 100 |
| कीमत कटौती | रू./कि.ग्रा.. | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 124 | 106 |
| कीमत कटौती | % | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 164 | 114 |
| कीमत कटौती | % रेंज | 95-115 | 160-170 | 110-120 |

59. चूंकि, आयातों का 95% मोनोफिलामेंट श्रेणी में घटित हुआ है, कीमत कटौती का निर्धारण मोनोफिलामेंट और मल्टीफिलामेंट के लिए पृथक-पृथक रूप से कीमतों पर विचार करने के द्वारा ही किया गया था। नीचे दी गई सारणी दर्शाती है कि कीमत कटौती काफी महत्वपूर्ण थी:-

| मोनोफिलामेंट | यूनिट | चीन | बांग्लादेश | संबद्ध देश |
|----------------------|---------------|-------|------------|------------|
| आयातों की पहुंच कीमत | रू./कि.ग्रा.. | *** | *** | *** |
| | | *** | *** | *** |
| निवल बिक्री प्राप्ति | रू./कि.ग्रा.. | *** | *** | *** |
| कीमत कटौती | रू./कि.ग्रा.. | *** | *** | *** |
| कीमत कटौती | % | *** | *** | *** |
| कीमत कटौती | % रेंज | 30-40 | 160-170 | 130-140 |

| मल्टीफिलामेंट | यूनिट | चीन | बांग्लादेश | संबद्ध देश |
|----------------------|---------------|---------|------------|------------|
| आयातों की पहुंच कीमत | रू./कि.ग्रा.. | *** | *** | *** |
| निवल बिक्री प्राप्ति | रू./कि.ग्रा.. | *** | *** | *** |
| कीमत कटौती | रू./कि.ग्रा.. | *** | *** | *** |
| कीमत कटौती | % | *** | *** | *** |
| कीमत कटौती | % रेंज | 100-110 | - | 100-110 |

60. यह नोट किया गया है कि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से उल्लेखनीय रूप से कम है, जिसके परिणामस्वरूप पीओआई के दौरान उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई।

कम कीमत पर बिक्री

61. प्राधिकारी ने चीन ज.ग. से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा सामना की जा रही कीमत से कम कीमत पर बिक्री की भी जांच की है। इस प्रयोजना हेतु घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित एनआईपी की तुलना प्रत्येक उत्पाद प्रकार (मोनो और मल्टी यार्न फिशिंग नेट) के लिए आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है। घरेलू उद्योग के भारांशित औसत एनआईपी की आयातों की भारांशित औसत पहुंच कीमत के साथ तुलना निम्नानुसार दर्शाती है :-

| बांग्लादेश | कुल | | सूचीबद्ध |
|------------------|---------------------|--------------------------|----------|
| | रू /कि.ग्रा. | यूएस \$/ कि.ग्रा. | |
| एनआईपी | *** | *** | 100 |
| पहुंच कीमत | *** | *** | 37.94 |
| चीन जन गण | कुल | | |
| | रू /कि.ग्रा. | यूएस \$/ कि.ग्रा. | |
| एनआईपी | *** | *** | 100 |
| पहुंच कीमत | *** | *** | 58.27 |

62. यह देखा गया है कि चीन और बांग्लादेश से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित एनआईपी की तुलना में उल्लेखनीय रूप से कम थी। कीमत से कम कीमत पर बिक्री महत्वपूर्ण है।

कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

63. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों को ह्रासित/न्यूनीकरण कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव उल्लेखनीय स्तर तक कीमतों को न्यूनीकरण करता है या कीमत में वृद्धि को रोकता है जो अन्यथा रूप से उल्लेखनीय स्तर तक घटित हुआ होता, प्राधिकारी ने क्षति अवधि में लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है। स्थिति नीचे दी गई सारणी के अनुसार दर्शाई गई है:-

| विवरण | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई (वार्षिकीकृत) |
|----------------|--------------|---------|---------|---------|------------------------|
| औसत/ समेकित | | | | | |
| बिक्री की लागत | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |

| विवरण | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई (वार्षिकीकृत) |
|-------------------------|--------------|---------|---------|---------|------------------------|
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 110 | 113 | 109 |
| बिक्री कीमत | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 108 | 114 | 115 |
| पहुंच कीमत - संबद्ध देश | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 102 | 89 | 85 |
| मल्टी फिलामेंट | | | | | |
| बिक्री की लागत | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 118 | 125 | 130 |
| बिक्री कीमत | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 117 | 125 | 130 |
| पहुंच कीमत - संबद्ध देश | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 56 | 61 | 65 |
| मोनो फिलामेंट | | | | | |
| बिक्री की लागत | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 105 | 105 | 95 |
| बिक्री कीमत | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 103 | 108 | 107 |
| पहुंच कीमत - संबद्ध देश | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 111 | 95 | 90 |

64. प्राधिकारी ने नोट किया है कि हालांकि, समग्र आधारपर पूर्ण क्षति अवधि में बिक्रियों की लागत और बिक्री कीमत में वृद्धि हुई है, उत्पादन की लागत की तुलना में बिक्री में वृद्धि मल्टी फिलामेंट की तुलना में मोनो फिलामेंट के मामले में उल्लेखनीय रूप से कम थी। इसलिए जहां मल्टी फिलामेंट में आयातों की वास्तविक अनुपस्थिति ने घरेलू उद्योग को क्षति अवधि में कीमत बढ़ाने में सक्षम बनाया, वहीं मोनोफिलामेंट में पाटित आयातों की उपस्थिति ने घरेलू उद्योग को उस सीमा तक कीमतों को बढ़ाने से रोका जहां घरेलू उद्योग उचित लाभ प्राप्त कर सकता था। यह नोट भी किया गया है कि पीयूसी का उत्पादन मुख्य रूप से लघु उद्योग के असंगठित क्षेत्र में किया गया था।

ब. घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

65. ए.डी. नियमावली के अनुबंध - II के अंतर्गत यह जरूरी है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपूर्ण जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में ए.डी. नियमावली में आगे व्यवस्था की गई है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभावकी जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों और आंकड़ोंके उद्देश्यपूर्ण और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होंगे जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, जिसमें बिक्रियों, लाभों, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता के उपयोग में वास्तविक गिरावट, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा

को प्रभावित करने वाले कारक और नकदी प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी वृद्धि, पूंजीगत निवेशों को जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और गुणात्मक प्रभाव शामिल हैं।

66. तदनुसार, घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मापदंडों को यहां नीचे विश्लेषित किया गया है।

बिक्री, क्षमता, उत्पादन, और क्षमता उपयोग

67. उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार था:-

| क्षमता उपयोग | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | **पीओआई |
|----------------------|----------|---------|---------|---------|---------|
| पीयूसी के लिए कुल | | | | | |
| क्षमता | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 109 | 127 | 144 |
| उत्पादन | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 110 | 129 | 143 |
| क्षमता उपयोग | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 100 | 101 | 98 |
| घरेलू बिक्री | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 114 | 124 | 137 |
| मोनोफिलामेंट | | | | | |
| क्षमता | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 103 | 117 | 124 |
| उत्पादन | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 109 | 125 | 145 |
| क्षमता उपयोग | % | *** | *** | *** | *** |
| | | 100 | 105 | 107 | 115 |
| घरेलू बिक्रियां | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | | 100 | 109 | 121 | 145 |
| मल्टीफिलामेंट | | | | | |
| क्षमता | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | | 100 | 112 | 133 | 156 |
| उत्पादन | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | | 100 | 110 | 130 | 142 |
| क्षमता उपयोग | % | *** | *** | *** | *** |

| | | | | | |
|-----------------|-------|-----|-----|-----|-----|
| | | 100 | 97 | 97 | 91 |
| घरेलू बिक्रियां | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| | | 100 | 118 | 127 | 131 |

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जबकि इस अवधि में घरेलू उद्योग के समग्र उत्पादन, बिक्रियों और क्षमता उपयोग में भी सुधार हुआ है, मल्टी फिलामेंट की तुलना में मोनो फिलामेंट के मामले में क्षमता उपयोग लगातार निम्न बना रहा है। इस प्रकार, मोनो फिलामेंट श्रेणी में पाटित आयातों की उपस्थिति ने घरेलू उद्योग को उस सीमा तक इसकी उत्पादन क्षमता का उपयोग करने से रोका है, जिस सीमा तक इसने मल्टी फिलामेंट के मामले में उपयोग किया था। यह भी नोट किया गया है कि जबकि 95% आयात मोनो फिलामेंट श्रेणी में है, भारत में उत्पादन का 30% मोनोफिलामेंट में है और 70% मल्टीफिलामेंट श्रेणी में है, जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि देश में पीयूसी के पाटन ने मोनोफिलामेंट श्रेणी में घरेलू उद्योग को प्रभावित किया है। यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा सृजित क्षमताएं मोनोफिलामेंट और मल्टीफिलामेंट श्रेणी के लिए समर्पित हैं और दोनों को एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग नहीं किया जा सकता। इस प्रकार, मल्टीफिलामेंट श्रेणी के उत्पादक प्रभावित नहीं हुए हैं जबकि भारत में पीयूसी के पाटन के कारण मोनोफिलामेंट के उत्पादक प्रभावित हुए हैं। यह नोट किया गया है कि उद्योग ने अपनी क्षमता को बढ़ाया है जो स्पष्ट रूप से देश में पीयूसी के लिए मांग में वृद्धि की प्रतिक्रिया में है। इस प्रकार, उद्योग अपनी ओर से देश में पीयूसी के लिए बढ़ती हुई मांग के प्रति प्रतिक्रिया प्रस्तुत कर रहा है।

II. मांग में बाजार हिस्सा

69. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है:

| बाजार हिस्सा | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई* |
|-----------------------------|----------|---------|---------|---------|--------|
| पीयूसी के लिए कुल | | | | | |
| संबद्ध देश | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 112 | 132 | 180 |
| अन्य देश | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 63 | 78 | 115 |
| डीआई घरेलू बिक्री | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 95 | 91 | 96 |
| अन्य भारतीय उत्पादक | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 101 | 101 | 99 |
| समग्र रूप में घरेलू उत्पादक | | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 100 | 99 | 96 |
| कुल | % | 100 | 100 | 100 | 100 |
| मोनोफिलामेंट | | | | | |
| संबद्ध देश | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 113 | 141 | 208 |
| अन्य देश | % | *** | *** | *** | *** |

| बाजार हिस्सा | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई* |
|-----------------------------|----------|---------|---------|---------|--------|
| | सूचीबद्ध | 100 | 63 | 81 | 112 |
| डीआई घरेलू बिक्री | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 91 | 91 | 107 |
| अन्य भारतीय उत्पादक | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 103 | 98 | 83 |
| समग्र रूप में घरेलू उत्पादक | | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 100 | 97 | 90 |
| कुल | % | 100% | 100% | 100% | 100% |
| मल्टीफिलामेंट | | | | | |
| संबद्ध देश | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 91 | 77 | 108 |
| अन्य देश | % | 0.01% | 0.00% | 0.00% | 0.31% |
| डीआई घरेलू बिक्री | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 99 | 92 | 80 |
| अन्य भारतीय उत्पादक | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 100 | 102 | 106 |
| समग्र रूप में घरेलू उत्पादक | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 100 | 100 | 99 |
| कुल | % | 100% | 100% | 100% | 100% |

70. यह नोट किया गया है कि इस अवधि में मोनोफिलामेंट के लिए समग्र रूप में घरेलू उद्योग और घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में तीव्र गिरावट आई है, मल्टीफिलामेंट के लिए समग्र रूप में घरेलू उद्योग और घरेलू उत्पादकों का बाजार हिस्सा समान स्तर पर बना रहा है।

III. लाभ/हानि, नकद प्रवाह, नियोजित पूंजी पर आय

71. घरेलू उद्योग के निवेश पर लाभ/हानि, नकद लाभ और निवेश पर आय का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:

| विवरण | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई* |
|-------------------|--------------|---------|---------|---------|--------|
| पीयूसी के लिए कुल | | | | | |
| लाभ/(हानि) | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 97 | 127 | 175 |
| लाभ/(हानि) | लाख रू. | *** | *** | *** | *** |

| | | | | | |
|-----------------------|--------------|-----|-----|-----|-----|
| | सूचीबद्ध | 100 | 110 | 155 | 355 |
| नकद लाभ | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 100 | 122 | 157 |
| ब्याज और कर पूर्व लाभ | लाख रू. | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 108 | 149 | 323 |
| नियोजित पूंजी पर आय | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 85 | 102 | 131 |
| मोनोफिलामेंट | | | | | |
| लाभ/(हानि) | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 83 | 75 | 144 |
| लाभ/(हानि) | लाख रू. | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 91 | 91 | 210 |
| नकद लाभ | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 109 | 120 | 125 |
| ब्याज और कर पूर्व लाभ | लाख रू. | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 101 | 123 | 167 |
| नियोजित पूंजी पर आय | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 78 | 80 | 96 |
| मल्टीफिलामेंट | | | | | |
| लाभ/(हानि) | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 94 | 126 | 181 |
| लाभ/(हानि) | लाख रू. | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 112 | 160 | 238 |
| नकद लाभ | रू./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 95 | 120 | 161 |
| ब्याज और कर पूर्व लाभ | लाख रू. | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 110 | 155 | 227 |
| नियोजित पूंजी पर आय | % | *** | *** | *** | *** |
| | सूचीबद्ध | 100 | 88 | 111 | 146 |

72. जबकि, इस अवधि में घरेलू उद्योग की समग्र लाभप्रदता में सुधार हुआ है और मोनोफिलामेंट श्रेणी में लाभप्रदता ने भी कुछ वृद्धि दर्शाई है, यह नोट किया गया है कि (क) मोनोफिलामेंट की लाभप्रदता मल्टीफिलामेंट (103.31 रु. प्रति कि.ग्रा.) की तुलना में बहुत निम्न है (8.95 रु. प्रति कि.ग्रा. केवल)। (ख) जबकि मल्टीफिलामेंट में लाभ 43 रु. प्रति कि.ग्रा. बढ़ा है, मोनोफिलामेंट में लाभ केवल 2.75 रु. प्रति कि.ग्रा. बढ़ा है। मल्टीफिलामेंट की तुलना में मोनोफिलामेंट की उल्लेखनीय निम्न लाभप्रदता और मोनोफिलामेंट में लाभों में उल्लेखनीय रूप से कम वृद्धि स्पष्ट रूप से घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के विपरीत प्रभाव को दर्शाती है। यथा सत्यापित, पीओआई के लिए पृथक आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग ने अप्रैल-सितंबर, 2016 की अवधि में मोनोफिलामेंट में वित्तीय हानियों का सामना किया है।

73. इस प्रकार, प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता का मोनोफिलामेंट के संबंध में प्रभाव पड़ा था जहां 95 % आयात पीओआई के दौरान घटित हुए थे।

IV. रोजगार और वेतन

74. प्राधिकारी ने नोट किया है कि कर्मचारियों की संख्या और अदा किए गए वेतन में आधार वर्ष से जांच की अवधि तक वृद्धि हुई है। रोजगार, वेतन और उत्पादकता के संबंध में स्थिति निम्नानुसार है:

| विवरण | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई* |
|-----------------------|--------------|----------------|----------------|----------------|---------------|
| कर्मचारियों की संख्या | संख्या | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 100 | 106 | 113 |
| मजदूरी | लाख रु. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 147 | 186 | 214 |
| मजदूरी प्रति यूनिट | रु./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 133 | 144 | 149 |
| मोनोफिलामेंट | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई* |
| कर्मचारियों की संख्या | संख्या | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 104 | 114 | 119 |
| मजदूरी | लाख रु. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 186 | 207 | 319 |
| मजदूरी प्रति यूनिट | रु./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 169 | 165 | 219 |
| मल्टी फिलामेंट | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई* |
| कर्मचारियों की संख्या | संख्या | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 98 | 102 | 110 |
| मजदूरी | लाख रु. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 130 | 177 | 171 |
| मजदूरी प्रति यूनिट | रु./कि.ग्रा. | *** | *** | *** | *** |

| विवरण | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई* |
|-----------|----------|---------|---------|---------|--------|
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 118 | 135 | 120 |

V. माल सूची

75. संबद्ध वस्तुओं की माल सूची से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित सारणी में दर्शाए गए हैं:

| विवरण | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | पीओआई* |
|----------------------|----------|---------|---------|---------|--------|
| स्टॉक (मात्रा) | संख्या | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 134 | 177 | 213 |
| मोनोफिलामेंट | | | | | |
| स्टॉक (मात्रा) | संख्या | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 189 | 263 | 319 |
| मल्टीफिलामेंट | | | | | |
| स्टॉक (मात्रा) | संख्या | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 126 | 165 | 198 |

76. यह देखा गया है कि मल्टीफिलामेंट की तुलना में मोनोफिलामेंट के मामले में घरेलू उद्योग के पास माल सूची में तीव्र वृद्धि हुई है।

VI. वृद्धि

| वर्ष प्रति वर्ष वृद्धि | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | **पीओआई |
|--|-------|---------|---------|---------|---------|
| उत्पादन (मी.टन) | % | - | 10.30 | 17.09 | 11.13 |
| घरेलू बिक्री मात्रा (मी.टन) | % | - | 14.73 | 8.85 | 10.18 |
| विक्रियों की लागत(रू./कि.ग्रा.) | % | - | 9.70 | 2.76 | (3.16) |
| बिक्री कीमत (रू./कि.ग्रा.) | % | - | 8.46 | 4.98 | 1.11 |
| लाभ/हानि(रू./कि.ग्रा.) | % | - | (3.41) | 29.11 | 38.03 |
| आरओआई | % | - | (14.49) | 19.85 | 28.70 |
| वृद्धि वर्ष प्रति वर्ष – मोनोफिलामेंट | | | | | |
| उत्पादन (मी.टन) | % | - | 9.94 | 14.48 | 15.49 |
| घरेलू बिक्री मात्रा (मी.टन) | % | - | 9.28 | 11.09 | 20.26 |
| बिक्री की लागत(रू./कि.ग्रा.) | % | - | 17.59 | 6.65 | 3.37 |
| बिक्री कीमत (रू./कि.ग्रा.) | % | - | 16.99 | 6.44 | 4.33 |
| लाभ/हानि(रू./कि.ग्रा.) | % | - | (16.36) | (9.79) | 91.32 |
| आरओआई | % | - | (21.87) | 2.50 | 20.31 |

| वर्ष प्रति वर्ष वृद्धि | यूनिट | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | **पीओआई |
|--|-------|---------|---------|---------|---------|
| वृद्धि वर्ष प्रति वर्ष -मल्टीफिलामेंट | | | | | |
| उत्पादन (मी.टन) | % | - | 10.46 | 18.21 | 6.54 |
| घरेलू बिक्री मात्रा (मी.टन) | % | - | 18.43 | 7.45 | (1.66) |
| बिक्री की लागत(रू./कि.ग्रा.) | % | - | 4.81 | (0.06) | (8.35) |
| बिक्री कीमत (रू./कि.ग्रा.) | % | - | 3.42 | 4.14 | 2.40 |
| लाभ/हानि(रू./कि.ग्रा.) | % | - | (5.22) | 33.05 | 57.92 |
| आरओआई | % | - | (11.83) | 26.83 | 23.96 |

77. यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की वृद्धि मोनोफिलामेंट के संबंध में विपरीत थी। मल्टीफिलामेंट के उत्पादन और बिक्रियों के संबंध में उद्योग महत्वपूर्ण रूप से सक्षम है जबकि आयातों का 95% भाग मोनोफिलामेंट की श्रेणी में हुआ है।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

78. प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि देश में मोनोफिलामेंट के महत्वपूर्ण पाटन के कारण पीयूसी का उत्पादन मल्टीफिलामेंट की ओर अंतरित हो गया है। जहां उद्योग ने क्षमता वर्धन किया है, मल्टीफिलामेंट श्रेणी में क्षमता वर्धन कहीं अधिक है। पाटन ने मोनोफिलामेंट श्रेणी में निवेश को प्रभावित किया है।

पाटन का स्तर और पाटन मार्जिन

79. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन काफी महत्वपूर्ण है। मोनोफिलामेंट नेट का उल्लेखनीय पाटन भारतीय उद्योग को विपरीत रूप से प्रभावित कर रहा है।

IX. क्षति संबंधी निष्कर्ष

80. इस प्रकार यह देखा गया है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में कुल रूप में भारत में खपत व उत्पादन के संबंध में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, आयातों का 95% भाग मोनोफिलामेंट नेट श्रेणी में हुआ था, जहां कुल रूप में और उत्पादन एवं खपत के संबंध में आयातों में वृद्धि अधिक महत्वपूर्ण थी। पाटित आयात बाजार के घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे थे। घरेलू उद्योग महत्वपूर्ण कीमत से कम कीमत पर बिक्री का सामना कर रहा है जबकि घरेलू उद्योग भी उत्पादन की लागत में वृद्धि के समानुपात में अपनी कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम है, मोनोफिलामेंट नेट के मामले में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत मल्टीफिलामेंट नेट श्रेणी की लागत और बिक्री कीमत की तुलना में बहुत कम है। निर्धारित पाटन मार्जिन काफी महत्वपूर्ण है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से पाटित आयात मोनोफिलामेंट के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन को, जहां आयातों का 95% भाग घटित हुआ है, उत्पादन, क्षमता उपयोग, मालसूची, बाजार हिस्सा, लाभ, नकद लाभ और आरओआई जैसे मापदंडों के संबंध में विपरीत रूप से प्रभावित कर रहा है।

81. यह देखा जा सकता है घरेलू उद्योग मोनोफिलामेंट यार्न नेट में क्षति झेल रहा है, किंतु प्राधिकारी ने मोनो और मल्टीफिलामेंट यार्न नेट, दोनों के संबंध में क्षति की जांच की है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि प्राधिकारी की राय है यह एक ऐसा मामला नहीं है जहां चीन से मल्टीफिलामेंट का आयात शून्य है। वास्तव में, चीन से मल्टीफिलामेंट का लगातार आयात हो रहा है।

82. यह नोट किया गया है कि जहां घरेलू उद्योग मोनोफिलामेंट यार्न के मामले में पहले ही महत्वपूर्ण क्षति का सामना कर रहा है, मल्टीफिलामेंट यार्न का पाटन मल्टीफिलामेंट श्रेणी में घरेलू उद्योग को महत्वपूर्ण क्षति का संकेतक है। इसके अतिरिक्त, मोनोफिलामेंट यार्न के मामले में घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति लगातार और गहन है। इस प्रकार, मोनोफिलामेंट यार्न में, उद्योग न केवल महत्वपूर्ण क्षति का सामना कर रहा है, बल्कि तीव्र क्षति के साथ जोखिम का सामना भी कर रहा है।

ट. कारणात्मक संबंध

83. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य कारकों की भी जांच की है जो घरेलू उद्योग को पाटन और महत्वपूर्ण क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क की जांच के लिए घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान दे सकते हैं।

I. तीसरे देशों से आयात

84. प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से संबद्ध वस्तुओं के आयात संबंधी आंकड़ों की जांच की है। यह नोट किया गया है कि तीसरे देशों से आयात नगण्य है और घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं बन सकते।

II. मांग में संकुचन

85. मांग अवधि में संबंधित उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है। मांग में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं हो सकती।

III. खपत के पैटर्न में परिवर्तन

86. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत के पैटर्न में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है। इसलिए, खपत के पैटर्न में परिवर्तनों को घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं समझा जा सकता।

IV. विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां और प्रतिस्पर्धा

87. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटी नहीं है जो घरेलू उद्योग को क्षति में अंशदान कर सकती है।

V. प्रौद्योगिकी में विकास

88. संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई विकास नहीं हुआ है, इसलिए प्रौद्योगिकी में विकास को घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाले कारक के रूप में नहीं माना जा सकता।

VI. निर्यात निष्पादन

89. घरेलू उद्योग के निष्पादन और उसको हुई क्षति की संभव सीमा तक घरेलू निष्पादन के संबंध में जांच की गई है। इसलिए, घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में संभावित ह्रास घरेलू उद्योग को क्षति का संभव कारण नहीं है।

VII. अन्य उत्पादों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन

90. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बिक्री किए जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन ने प्राधिकारी द्वारा किए जा रहे घरेलू उद्योग के निष्पादन मूल्यांकन को प्रभावित नहीं किया है। प्राधिकारी द्वारा विचार की गई सूचना केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में है।

VIII. घरेलू उद्योग की उत्पादकता

91. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता ने उत्पादन के रूप में समान प्रवृत्ति का अनुसरण किया है। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

ठ. कारणात्मक संपर्क को स्थापित करने वाले कारक

92. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन का विश्लेषण दर्शाता है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण ह्रास आया है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क को निम्नलिखित आधारों पर स्थापित किया गया है:

- (क) आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं। आयातों की मात्रा में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।
- (ख) कीमत कटौती के कारण आयातों के बाजार हिस्से में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है और भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
- (ग) संबद्ध आयातों की घरेलू उद्योग द्वारा बेचे जा रहे उत्पाद की कीमत से कम कीमत पर बिक्री हो रही है।
- (घ) महत्वपूर्ण कीमत कटौती के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्रियों और क्षमता उपयोग में मांग में वृद्धि के समानुपात में वृद्धि नहीं हुई।
- (ङ) घरेलू उद्योग की मालसूची में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

ड. क्षति मार्जिन की मात्रा

93. जांच की अवधि के दौरान, क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देशों से निर्यातों के पहुँच मूल्य के साथ घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के गैर-क्षतिकारक कीमत निर्धारण की तुलना की गई है। निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:

| क्रम सं. | पाटन मार्जिन | | | | | | |
|----------|--|--|----------------------|--------------------------|----------------------------|-----------------|--------------------|
| | उत्पादक | निर्यातक | एनआईयूएस डी/कि.ग्रा. | पहुँच मूल्य रू./कि.ग्रा. | क्षति मार्जिन रू./कि.ग्रा. | क्षति मार्जिन % | क्षति मार्जिन रेंज |
| 1. | चाओहू तेंगदा फिशिंग गियर कं. लि. (उत्पादक) | अनहुई लाइट इंडस्ट्रीज इंटरनेशनल कं. लि. | *** | *** | *** | *** | 40-50 |
| 2. | चीन के सभी उत्पादक क्रम सं. 1 को छोड़कर | चीन के सभी निर्यातक क्रम सं. 1 को छोड़कर | *** | *** | *** | *** | 70-80 |
| 3. | बांग्लादेश से सभी उत्पादक | बांग्लादेश से सभी निर्यातक | *** | *** | *** | *** | 120-130 |

ढ. प्रकटन पश्चात विवरण

94. प्रकटन पश्चात अनुरोध हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त हुए हैं। उनमें उठाए गए मुद्दों को जांच के दौरान पहले ही उठाया गया है और उसका समुचित रूप से समाधान भी कर दिया गया है। तथापि, स्पष्टता के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच नीचे दिए गए अनुसार की गई है :-

निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

- I. एचडीपीई फिशिंग नैट को विचाराधीन उत्पाद में शामिल नहीं किया गया है और जारी किए गए अंतिम जांच परिणाम तथा शुल्क तालिका में भी उसका विशेष उल्लेख किया जाना चाहिए।
- II. ओकही साइक्लोन के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध का हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों से कोई संबंध नहीं है। यह साइक्लोन 2017 में आया था और इस समय पाटनरोधी शुल्क लगाने से फिशर मैन पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि पाटनरोधी शुल्क के साथ घरेलू उद्योग की कीमतों के बढ़ने की संभावना को इंकार नहीं किया जा सकता।
- III. क्षति संबंधी सभी मानदंडों ने किसी क्षति से इंकार करते हुए सुधार दर्शाया है।
- IV. कथित पाटन के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी बिक्री में वृद्धि करने में सक्षम रहा है।
- V. एक तार्किक प्रश्न सेस्टेट में ब्रिज स्टोन मामलों में पूछा गया था कि किस प्रकार से घरेलू उद्योग इस प्रकार की कीमत में कटौती के बावजूद अपनी बिक्री को बढ़ाने में सफल रहा और उपयोगकर्ताओं ने पसंदीदा आयातित उत्पाद को क्यों नहीं अपनाया है।
- VI. यह तथ्य कि घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि के साथ अपनी बिक्री कीमत को बढ़ाने में सक्षम रहा है, यह साबित करता है कि घरेलू उद्योग की कीमत पर आयातों का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।
- VII. कथित क्षति और कथित पाटन के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।

घरेलू उद्योग के विचार

- i. क्षति रहित कीमत की विस्तृत गणना के संबंध में प्रकटन, निर्यातकों/उत्पादकों की रिपोर्टों का सत्यापन और पत्र हितबद्ध पक्षकारों को भेजे गए थे और उनके द्वारा दायर किए गए उत्तरों की मांग की गई थी।
- ii. विचाराधीन उत्पाद को क्षति के विश्लेषण के लिए सही रूप में परिभाषित किया गया है और इसे दो प्रकारों अर्थात् मोनोफिलामेंट नैट और मल्टीफिलामेंट नैट में बांटा गया है। तथापि, संपूर्ण रूप में अर्थात् "फिशिंग नैट्स" के रूप में इस उत्पाद पर शुल्क लगाया जाना चाहिए।

- iii. शुल्क तालिका में इसका स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए कि केवल नाइलोन फिशिंग नैट्स पाटनरोधी शुल्क के अधीन हैं जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि शुल्क लगाने के कार्यक्षेत्र से बाहर किए गए उत्पादों के संबंध में स्पष्टता है और यह कि कार्यान्वयन से संबंधित कोई मुद्दे नहीं हैं।
- iv. शुल्क तालिका में यह दर्शाया जाना चाहिए कि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह कि संबद्ध वस्तुओं पर सीमाशुल्क वर्गीकरण जिसके अंतर्गत उनका आयात किया गया है, पर विचार किए बिना शुल्क लगेगा।
- v. उनके चीन के समकक्ष कंपनियों की तुलना में, भारत में उत्पादक अपेक्षाकृत कम मशीनों का उपयोग करते हैं और वे अधिकांशतः सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रम क्षेत्र से संबंधित हैं। इसके अलावा, फिशरमैन को फिशिंग नैट की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के अलावा अपेक्षाकृत कम निवेश के साथ, घरेलू उत्पादक अधिक रोजगार और निर्यात आय प्राप्त कर रहे हैं।
- vi. वास्तविक क्षति के खतरे के लिए संगत कारकों पर विचार नीचे दिए गए अनुसार किया जाना चाहिए।
 - (क) वर्ष 2016-17 के पूर्वार्ध में आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है और इन 6 महीनों के भीतर आयात 2012-13 और 2013-14 की तुलना में बहुत अधिक हुए हैं।
 - (ख) संबद्ध देश में उत्पादक निर्यातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है और उनके पास स्वतंत्र रूप से बिक्री योग्य क्षमताएं हैं।
 - (ग) कीमत में कटौती बहुत अधिक हुई है और आयात उन कीमतों पर हो रहे हैं जो आगे आयात किए जाने की मजबूत संभावना का संकेत देता है।
 - (घ) संबद्ध देश में उत्पादकों को उनकी सरकारों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात और उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के लिए लाभ प्राप्त हो रहा है।
- vii. विचाराधीन उत्पाद फिश नैट अथवा फिशिंग नैट है। विचाराधीन उत्पाद ग्रिड जैसी संरचना में बुने हुए फाइबर का बना होता है। फिशिंग नैट आम तौर पर वे जाल होते हैं जिनका निर्माण अपेक्षाकृत महीन धागे की गांठ बनाकर किया जाता है। वर्तमान याचिका में केवल नाइलोन फिशिंग नैट शामिल है- चाहे वो 100 प्रतिशत अथवा मिश्रित हो। मिश्रित होने की स्थिति में इसके कार्य क्षेत्र में वजन से 50 प्रतिशत अथवा उससे अधिक नाइलोन वाला फिशिंग नैट शामिल है।
- viii. विचाराधीन उत्पाद को आगे मोनोफिलामेंट यार्न नैट और मल्टी फिलामेंट यार्न नैट में वर्गीकृत किया जा सकता है। मोनोफिलामेंट नैट का उत्पादन मोनोफिलामेंट यार्न का उपयोग करते हुए किया जाता है, मल्टी फिलामेंट नैट के मामले में, मल्टीफिलामेंट यार्न का उपयोग किया जाता है और इस यार्न को सबसे पहले एंठ दिया जाता है। यद्यपि, उत्पादन की प्रक्रिया दोनों प्रकार के फिशिंग नैट के लिए एक जैसी है परंतु दोनों का अंतिम उपयोग एक-दूसरे से अलग है।
- ix. एचडीपीई फिशिंग नैट के संबंध में, वर्तमान जांच में केवल नाइलोन फिशिंग नैट चाहे वह 100 प्रतिशत हो अथवा मिश्रित नैट हो, जिसमें वजन से 50 प्रतिशत अथवा उससे अधिक नाइलोन हो, शामिल है। अन्य सभी प्रकार के फिशिंग नैट और अन्य नैट वर्तमान जांच के कार्य क्षेत्र से बाहर हैं।
- x. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद विचाराधीन उत्पाद का समान वस्तु है।
- xi. भारत में फिश नैट उत्पादकों की ओर से भारती फिश नैट निर्माता संघ द्वारा संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उद्योग के रूप में प्रतिनिधि के तौर पर यह याचिका दायर की गई है। रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार, आवेदक का उत्पादन घरेलू उत्पादन का "एक बड़ा हिस्सा" होता है।
- xii. आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम-2 (ख) के अभिप्राय से पात्र घरेलू उद्योग होता है और यह आवेदन ऊपर में दी गई नियमावली के नियम 5(3) के संबंध में आधार के मानदंडों को पूरा करता है।
- xiii. 95 प्रतिशत आयात मोनोफिलामेंट नैट श्रेणी में हुए थे जहां स्वतंत्र रूप में तथा उत्पादन एवं खपत की तुलना में आयातों में वृद्धि बहुत अधिक थी।
- xiv. पाटित आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही थी।
- xv. घरेलू उद्योग को बहुत अधिक कम कीमत पर बिक्री से हानि हो रही है। जब घरेलू उद्योग उत्पादन की लागत में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम हुआ है तब मोनोफिलामेंट नैट के मामले में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत मल्टीफिलामेंट नैट श्रेणी की लागतों और बिक्री कीमत की तुलना में बहुत अधिक कम है।
- xvi. संबद्ध देशों से पाटित आयातों का मोनोफिलामेंट नैट जहां 95 प्रतिशत आयात हुए हैं, के मामले में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर उत्पादन, क्षमता उपयोग, माल भंडार, बाजारहिस्सा, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय जैसे मानदंडों के संबंध में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- xvii. घरेलू उद्योग को क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

- xviii. घरेलू उद्योग को मोनोफिलामेंट यार्न के मामले में पहले ही वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है, मल्टी फिलामेंट यार्न का पाटन से मल्टी फिलामेंट श्रेणी में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का खतरा हो रहा है।
- xix. पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन बहुत अधिक है।
- xx. जबकि, घरेलू उद्योग को प्रमुख रूप से मोनोफिलामेंट यार्न में क्षति उठानी पड़ रही है, इसे मल्टी फिलामेंट यार्न में कम क्षति हुई है। तथापि, विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र को पूर्व की तुलना में प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है क्योंकि इससे शुल्क लगाने की अनुमति मिलेगी।
- xxi. पाटित आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही थी।
- xxii. 2016-17 के पूर्वार्द्ध के दौरान मोनोफिलामेंट यार्न के आयातों में वृद्धि के साथ, घरेलू उद्योग को हानि हुई है और इसका नकद लाभ, व्याज एवं कर पूर्व लाभ तथा निवेश पर लाभ में गिरावट आई है। पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास और न्यूनीकरण हो रहा है।
- xxiii. मल्टी फिलामेंट यार्न के संबंध में जबकि क्षति की सीमा उतनी गंभीर नहीं है फिर भी उसके आयात में वृद्धि हुई है और इससे घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। इस प्रकार के आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने का खतरा उत्पन्न हो रहा है।
- xxiv. मैसर्स चाओहुटेगंटा फिशिंग गियर कंपनी लि. द्वारा उत्पादित और मै. अनहुई लाइट इंडस्ट्रीज इंटरनेशनल कंपनी लि. द्वारा निर्यातित वस्तुओं के लिए निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन बहुत कम था। यह अनुरोध किया गया था कि निर्यात किए गए उत्पाद प्रकार, वितरण के माध्यम और निर्यात कीमत का समायोजन को प्रकट किया जाना चाहिए क्योंकि एक निर्यातक आम तौर पर उस कीमत पर किसी खास उत्पाद प्रकार की बिक्री नहीं करेगा जो अन्य निर्यातकों की कीमत से अपेक्षाकृत अधिक हो।
- xxv. शुल्क का निर्धारित प्रकार शुल्क के बैंच मार्क रूप के मामले में शुल्कों से बचने के इतिहास पर विचार करते हुए वर्तमान मामले में लगाया जाना चाहिए। इसके अलावा, भारतीय रूप में अवमूल्यन को देखते हुए, शुल्क अमरीकी डॉलर के रूप में लगाया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

95. यह नोट किया जाता है कि प्रकटन पश्चात स्तर पर उठाए गए मुद्दों का प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त संगत पैराग्राफों में पहले ही जांच कर ली गई है। तथापि, अनुरोधों के संबंध में स्पष्टता के लिए उनका निम्नलिखित रूप में समाधान किया गया है :

- i. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति संबंधी मानदंडों के संबंध में एक विस्तृत जांच उपर्युक्त पैराग्राफ में की गई है। प्राधिकारी का यह मत है कि घरेलू उद्योग को मोनोफिलामेंट यार्न नेट में वास्तविक क्षति हो रही है और यही कारण है कि भारतीय उत्पादकों ने मोनोफिलामेंट नेट का निर्माण करना प्रायः बंद कर दिया है और मल्टी फिलामेंट नेट का उत्पादन करना शुरू कर दिया है जो स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि मोनोफिलामेंट फिशिंग नेट के निर्माताओं को हानि हो रही है। प्राधिकारी केवल मोनोफिलामेंट नेट पर शुल्क नहीं लगा सकते हैं क्योंकि यह वैसा मामला नहीं है जहां मल्टीफिलामेंट नेट का आयात नहीं हुआ हो। चीन मल्टी फिलामेंट यार्न का भारी मात्रा में निर्यात कर रहा है। जांच अवधि के पश्चात के आयात आंकड़े यह दर्शाते हैं कि मल्टीफिलामेंट नेट के आयातों में वृद्धि और वह भी पाटित कीमतों पर हुई है। यह नोट किया जाता है कि उत्पाद के कार्य क्षेत्र से मल्टीफिलामेंट यार्न नेट को बाहर करने के फलस्वरूप शुल्क लगाया जाएगा और इससे वर्तमान प्रयास निष्फल हो जाएगा।
- ii. ओकही साइक्लोन के बारे में किए गए अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि साइक्लोन के प्रभाव और पाटनरोधी शुल्कों को लगाने के बीच कोई सह संबंध नहीं है। पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्रयोजन इन निर्माताओं को एक समान अवसर प्रदान करना है; यह किसी के लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त लाभ नहीं है। इस उत्पाद का आयात उचित मूल्य पर किया जाना चाहिए।
- iii. यह नोट किया जाता है कि एच डी पी ई फिशिंग नेट्स को विचाराधीन उत्पाद के कार्य क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है और उसका विशेष रूप से उल्लेख शुल्क तालिका में किया जाना चाहिए।

भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

96 प्राधिकारी मानते हैं कि सामान्य रूप में पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लगाने से किसी भी तरह से संबद्ध देश से आयात प्रतिबंधित नहीं होगा और इसीलिए ग्राहकों को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

97. प्राधिकारी मानते हैं कि यद्यपि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की स्थिति में भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है परंतु भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा इस प्रकार के पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन की परिपाटियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे जिससे घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और संबद्ध सामानों के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्पों की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता आपूर्ति के दो या अधिक स्रोतों को अब भी बनाए रख सकते हैं।

त. निष्कर्ष

- विचाराधीन उत्पाद का निर्यात संबद्ध देश से भारत में उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ।
- घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

थ. सिफारिशें

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति और उसके कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू किए जाने तथा आयोजित किए जाने पर और ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन सिद्ध होने पर प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क 5 वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित वर्णित तरीके से लगाए जाने की सिफारिश करना आवश्यक मानते हैं।

99. कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन के कमतर के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, प्राधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर नीचे दिए गए शुल्क तालिका के कॉलम सं. 9 में दर्शायी गई राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं। इस प्रयोजन से आयात का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत यथानिर्धारित तथा सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के लागू स्तर के अनुसार आकलन योग्य मूल्य होगा।

शुल्क तालिका

| क्र.सं. | उप शीर्ष अथवा टैरिफ मद* | वस्तुओं का विवरण | उद्गम का देश | निर्यात का देश | उत्पादक | निर्यातक | शुल्क राशि (अम.डॉ. में) | यूओएम |
|---------|-------------------------------|---------------------|--------------|-------------------|---|--|-------------------------------|---------|
| 1. | 56081110 | फिशिंग नैट ** | चीन | चीन | चाओहू टेम्डा फिशिंग गियर कं. लि. | अनहुई लाइट इंडस्ट्रीज इंटरनेशनल कंपनी लि. | 1.51 | किग्रा. |
| 2. | 56081110 | फिशिंग नैट | चीन | चीन | (1) में उल्लिखित को छोड़कर कोई अन्य संयोजन | | 2.19 | किग्रा. |
| 3. | 56081110 | फिशिंग नैट | चीन | कोई | कोई | कोई | 2.19 | किग्रा. |
| 4. | 56081110 | फिशिंग नैट | कोई | चीन | कोई | कोई | 2.19 | किग्रा. |
| 5. | 56081110 | फिशिंग नैट | बंगलादेश | बंगलादेश | कोई | कोई | 2.69 | किग्रा. |
| 6. | 56081110 | फिशिंग नैट | बंगलादेश | कोई | कोई | कोई | 2.69 | किग्रा. |
| 7. | 56081110 | फिशिंग नैट | कोई | बंगलादेश | कोई | कोई | 2.69 | किग्रा. |

** इस अधिसूचना के लिए विचाराधीन उत्पाद का आशय: "फिशनैट" अथवा "फिशिंग नैट"

- i. फिशिंग नैट केवल नाइलोन का बना होता है- चाहे 100 प्रतिशत हो अथवा मिश्रित हो। मिश्रित के मामले में, कार्यक्षेत्र में वजन से 50 प्रतिशत अथवा उससे अधिक नाइलोन वाला फिशिंग नैट शामिल है।
- ii. विचाराधीन उत्पाद में एचडीपीई फिशिंग नैट शामिल नहीं है।
- iii. इस उत्पाद का अनन्य सीमाशुल्क वर्गीकरण नहीं है। इस उत्पाद का आयात डी जी सी आई एंड एस द्वारा हमें उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार एच एस कोड, 56081110 के अंतर्गत किया जा रहा है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण सांकेतिकमात्र है और यह किसी भी प्रकार से उत्पाद के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

100. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के तहत सीमाशुल्क द्वारा निर्धारित मूल्यांकन योग्य मूल्य होगा और इसमें उपर्युक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के सभी शुल्क शामिल हैं।

101. इस अंतिम जांच परिणाम के कारण उत्पन्न होने वाले केन्द्र सरकार के इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th March, 2018

(Final Findings)

Subject: Anti-Dumping Duty investigation concerning imports of “Fishing Net” originating in or exported from Bangladesh and China PR.

The following contains the essential facts under the consideration of the Designated Authority which would form the basis for the Final Findings in this investigation.

A. Background of the case

1. **F.No.14/44/2016-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;
2. WHEREAS, Indian Fishnet Manufacturers Association (hereinafter also referred to as the petitioner) has filed an application before the Designated Authority (hereafter also referred to as the Authority) in accordance with the Act and the rules, for initiation of Anti-dumping investigations concerning imports of “Fishing Net” (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from Bangladesh and China PR (hereinafter also referred to as the subject countries).
3. And whereas, the Authority on the basis of sufficient prima facie evidence submitted by the petitioners, issued a public notice vide Notification No. 14/44/2016-DGAD dated 31st March, 2017, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating this Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the above country, in accordance with the Rule 5 of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry, if any.

B. PROCEDURE

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation, after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority.
 - i. The Authority notified the Embassy of the subject countries in India about the receipt of the present anti-dumping application from the domestic industry requesting for initiation of an anti-dumping investigation before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule 5 of Rule 5 supra.
 - ii. The Embassies/representatives of the subject countries in New Delhi were also informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).

- iii. The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassy of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries, known importers/users and the domestic industry as well as other domestic producers as per the addresses made available by the petitioners and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- iv. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassy of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
- v. The Embassy of the subject countries in India was also requested to advise the exporters/producers from China PR and Bangladesh to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from China PR and Bangladesh.
- vi. The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

➤ Exporter's of China PR

- 1) Chaohu Asianeps Fishing Net Manufacturing Co Ltd.
- 2) Taizhou Winstrong Special Net Co Ltd
- 3) Haierc Industry Co., Limited
- 4) Weihai D&M Co., Ltd.
- 5) Quanzhou Licheng Longsheng Plastic Co., Ltd.
- 6) Tai An Fengli Plastics Co., Ltd.
- 7) Fantasea Marine Co., Ltd.
- 8) Shanghai Yong Cheng Scale Co., Ltd.
- 9) Shanghai Sailfish Rope Net Co., Ltd.
- 10) Tai'an Double Fish Plastics Co., Ltd.
- 11) Newin Industry Ltd.
- 12) Changzhou Wujin Yongguang Machinery co., ltd
- 13) Nantong Shenlong Fiber Rope Co., Ltd.
- 14) Changxing Jianyun Bamboo Art Factory
- 15) Aujasen Dive Mfy.
- 16) Laizhou Lutong Plastics Co., Ltd.
- 17) Dongguan SUNMEI Plastic Raw Material Co., Ltd
- 18) Rongcheng Bestband Industry Co., Ltd.
- 19) Taian Pretty Lion Light Industria Products Co., Ltd.
- 20) Jiangsu Huayuan New Material Co.,Ltd.
- 21) Pingxiang Tiger Industrial Ceramics Co.,Ltd
- 22) Poly Marine & Engineering Co., Ltd.
- 23) Wuhu S.H.Z Industrial Fabric Co., Ltd.
- 24) Fuyang Chenyi Arts & Crafts Co., Ltd.
- 25) Uniland Sporting Ware Mfg., Ltd
- 26) Yangzhou Xinyu Textile Equipment Co., Ltd.
- 27) Changzhou Aoyuan Textile Machinery Co., Ltd.
- 28) Jiangsu Jianghai Machinery Co., Ltd.
- 29) Changzhou City Chang Hui Import and Export Co., Ltd.
- 30) ADITYA Trading Co., Ltd

- 31) Shantou Qile Silk Screen Industry Co., Ltd.
- 32) Brother Sports Co., Ltd.
- 33) Zhangjiagang Haitia Netting Industrial Co., Ltd.
- 34) Hangzhou Hanxiong Home Textile Co., Ltd.
- 35) SSS Hardware International Trading Co., Ltd.
- 36) Ningbo Victech Sporting Goods Co., Ltd.
- 37) Qidong Xuan Shang International Trade Co., Ltd.
- 38) Innoamx Ltd
- 39) Zhangjiagang Victor Textile Machinery Co., Ltd.
- 40) Weihai Swift Yacht Co., Ltd.
- 41) Hangzhou Jinhui Knitting Co., Ltd.
- 42) Hangzhou Qinghong Rubber & Plastic Footwear Co., Ltd
- 43) Fuzhou Haiber Trade Co., Ltd.
- 44) Changzhou Chenwei Machinery Co., Ltd.
- 45) Tianchang Fushi Safety Products Co., Ltd.
- 46) National Products (Group) Co., Ltd.
- 47) Jiangsu Xiangchuan Rope Technology Co., Ltd.
- 48) Dollar Mainland Electronics Limited.
- 49) Jovial Travel-Stuff Co., Ltd.
- 50) Zibo Xuanang FRP Co., Ltd.
- 51) Shandong Yuyuan Group Co., Ltd.
- 52) Dongguan City Bestway Sports Goods Co., Ltd.
- 53) Xiamen Nee & Co. Ltd
- 54) Laizhou Huanqiu Rope & Belt Factory
- 55) Dafeng City Xinyu Air Compressor Manufacturing Co., Ltd.
- 56) Nantong Sea Melody Industrial Co., Ltd.
- 57) Qingdao Leading Link Trading Co., Ltd.
- 58) Zhoushan Wanshida Marine Foods Co., Ltd.
- 59) Hunan Zhongtai Special Equipment Co., Ltd.
- 60) Asianeps Industrial(Fishing Net) Co., Ltd
- 61) Weihai Xinghaiyuan Fishing & Netting Tackle Co., Ltd.
- 62) Zhanjiang Zhum Heng Fishing Net Ltd.
- 63) Ming Yuan Fishing Net Further Processing Factory
- 64) Sunlee Fishing Implements Trade Company
- 65) Jieyang City Youyi Fishing Net Factory Co., Ltd
- 66) Zhanjiang Dongni Fishing Net Manufacturing Co. Ltd
- 67) Wenzhou Xinghai Fishing Tackle Co., Ltd
- 68) Taizhou Sailing Fishing Net Co., Ltd
- 69) Anhui Golden Sea Fishing Tackle Co., Ltd
- 70) Qingdao Datao Fishing Tackle Co., Ltd
- 71) Tianjin Fishing Net(Manufactory)Co., Ltd

- 72) Wenzhou Xinghai Fishing Tackle Co., Ltd.
- 73) Chaohu FangTai Fishing Gear Co., Ltd
- 74) Yancheng Sunleeco Trading Co., Ltd.
- 75) Chaohu Asianeps Fishing Net Manufacturing Co., Ltd.
- 76) Asianeos Industrial (Fishing net) Co., Ltd
- 77) Hunan Xinhai Net Industry Co.,Ltd.
- 78) Anhui Province Anguo Fishing Tackle Co., Ltd.
- 79) Zhanjiang Dongni Fishing Net Manufacturing Co., Ltd.
- 80) Chaohu Xiangyu Fishing Co., Ltd.
- 81) Nantong Zhongcheng Net Co.,Ltd
- 82) Shanghai Bigcarp Textile Co., Ltd.
- 83) Chaohu Juchao District Great River Fishing Net Factory
- 84) Anhui Leixiang Fishing Gear Co., Ltd.
- 85) Anhui Hezhong Fishing Tackle Co., Ltd.
- 86) Chaohu Gaolin Carton Plant
- 87) Yutian Goldnets Fishery Goods Co., Ltd.
- 88) Qingdao Mansheng Industry And Trade Co., Ltd.
- 89) Dongshan Yinghui Fishing Tackle Co., Ltd.
- 90) Weihai Dafang Fishing Tackle Co., Ltd.
- 91) Yongkang Whetone Industry & Trade Co., Ltd.
- 92) Jiangsu Poly Fishing Plastic Co., Ltd.
- 93) Y&X Winner Maritime Equipment Co., Ltd.
- 94) Hunan Xinhai Net Industry Co., Ltd.
- 95) Chaohu Victory Union Fishing Gear Co., Ltd.
- 96) Chaohu Huatai Fishing Tackle Co., Ltd.
- 97) Fujian Changle Hongmei Net Tool Co., Ltd.
- 98) Chaohu Lotus Fishing Net Co., Ltd.
- 99) Guan Honghai Fishing Tackles Co., Ltd.
- 100) Hebei Jiaze Net Manufacture
- 101) Anhui Winta Import & Export Co., Ltd.
- 102) Wuchuan Taifeng Trading Co., Ltd.
- 103) Claymore Machineries And Tools Limited
- 104) Zhu Wuyong
- 105) Wuxi Taiyu Net & Twine Mfg. Co., Ltd.
- 106) Anhui Sun Netting Tackle Co.,Ltd
- 107) Wintech Group Co., Ltd.
- 108) Weihai Haihe Imp. & Exp. Co., Ltd.
- 109) Ningbo Shunyu Nets Manufacture Co., Ltd
- 110) Nantong Aoli Netting Industrial Co., Ltd.
- 111) Changzhou Jinzhi Plastic Net Supplies Co., Ltd.
- 112) Ren Yi Fishing Co., Ltd.

- 113) Shantou Sanye Fishing Utensils Factory
- 114) Weihai Yizhang Metal Products Co., Ltd.
- 115) Shan County Tianda Plastic Net Co., Ltd
- 116) Shantou Xiangfa Fishing Tackle Co., Ltd
- 117) Changzhou Wujin Xinhui Netting Factory
- 118) Chaohu Huifeng Fishing Co., Ltd.
- 119) Zhanjiang Developing Zone Yangfan Mesh Industry Co., Ltd.
- 120) Shantou Qile Silk Screen Co. Ltd.
- 121) Ningbo Meike Leisure Products Co., Ltd.
- 122) Nantong Newtec Textile & Chemical Fiber Co. Ltd
- 123) Fulri Fishing Tackle Co., Ltd.
- 124) Dalian New City Import And Export Co., Ltd.
- 125) Haian Huwei Net Co., Ltd.
- 126) Chaohu Shenlong Fishing Gear Co., Ltd.
- 127) Hailai Nylon Netting Company
- 128) Taian Prettylion Light Industrial Products Co, Ltd
- 129) Taian Best Corporation Ltd.
- 130) Weihai Bota Fishing Tackle Co., Ltd.
- 131) Wenzhou Ocean-Pioneer Fishing Industries Co., Ltd.
- 132) Jieshou Jianggongle Fishing Tools Co., Ltd.
- 133) Beijing Hirun Hengda Technic Co., Ltd.
- 134) Zhongying Leader Leisure And Craft Manufacturer
- 135) Xinhai Net And Rope Manufacture Co., Ltd.
- 136) Hopewell Plastic Co., Ltd.
- 137) Hangzhou Falai Fishing Tackle Co., Ltd.
- 138) Changzhou Shunsheng Nets Weave Co. Ltd.
- 139) Hangzhou Qiandao Lake Fishing Tackle Manufacturing Co., Ltd.
- 140) Lianyungang Huayang Fishing Tackle Co., Ltd.
- 141) Zhanjiang Hongyuan Fishing Article Co., Ltd.
- 142) Dongshan Fuyong Fishery Implement Products Co., Ltd.
- 143) Jiwei Travelling Products Co., Ltd
- 144) Nantong Newtec Textile & Chemical Fiber Co.,Ltd
- 145) Xiamen Hong-Gi Fishing Tackle Co., Ltd.
- 146) Weihai Hongzhu Sports Co., Ltd.
- 147) Anji Mingwang Fishing Gear Factory
- 148) Sicom Shanghai Enterprises Ltd.
- 149) Zhangjiagang DOIT Imp. & Exp. Co., Ltd.
- 150) Long Xing Plastic Co., Ltd
- 151) Wuxi Taiyu Net&Twine Mfg. Co., Ltd.
- 152) Zhangjiagang Sanwei Machinery Co., Ltd.
- 153) Binzhou Jinhui Rope Net Limited Company

- 154) Wenling Ocean Rope & Cable Co., Ltd.
- 155) Shantou Special Economic Zone Guangao Light Industry Co., Ltd.
- 156) Yantai Samhae Industry Co., Ltd.
- 157) Anhui Jinchaohe Trade Co., Ltd.
- 158) Haian Haitian Threads Co., Ltd.
- 159) China Shipbuilding Trading(Shanghai)Co., Ltd
- 160) Tai An Rope Net Plastic Co. Ltd
- 161) Tangshan Luqi Economic Trade Co., Ltd.
- 162) Binzhou Yuanhengli Import & Export Trade Co., Ltd.
- 163) Taixing Xudong Shipping Safety Equipments Factory
- 164) GuangJin Group Co., Ltd
- 165) Jiangdu City Liqiumei Sports Net Co., Ltd.

➤ Exporter's of Bangladesh

- 1) Meghna Fabric Industries Ltd.
 - 2) Hicotex Ltd.
 - 3) M/s.Summa Impex International
 - 4) Panama Industries(pvt)ltd
 - 5) Oxfam Gb
 - 6) Noor Business Enterprise Ltd
 - 7) Rupsha Fishing Net Industries
 - 8) Karltext Ltd.
 - 9) Eagle Fiber Ind. Ltd
 - 10) Tokyo Fishing net Co
 - 11) Overseae trading house
 - 12) F.R.Group
- vii. In response, the following producers/exporters from the subject country filed exporter's questionnaire in the prescribed format:
- a. Anhui Light Industries International Co. Ltd. China PR
 - b. Chaohu Tengda Fishing Gear Co. Ltd. China PR
- viii. The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- a. Calcutta Fishnet Co
 - b. Garware Wall Ropes Ltd
 - c. D. K. Enterprises
 - d. Nautilus Aqua Systems
 - e. Tata Bluescope Steel Limited
 - f. Nilkamal Limited
 - g. Anchor Offshore Services Ltd
 - h. Des Hair Products (India) Private Limited
 - i. Ge India Industrial Private Limited
 - j. Home Collective India Pvt. Ltd.
 - k. Garware Wall Ropes Ltd.

- l. Planet Impex
 - m. Kamar Trading Co.(P) Ltd.
 - n. Ek Nisht
 - o. Packaging Associates
 - p. Phoenix Trade Ventures
 - q. Anchor Equipment And Spares Private Limited
 - r. Silverson Overseas Private Limited
 - s. M M Traders
 - t. M. M. Traders
 - u. Tejasvi Exports
 - v. Bothra Trading Private Limited
 - w. Samsung Candt India Private Limited
 - x. Fountainhead Retail Private Limited
 - y. A-1 Fence Products Co. Private Limited
 - z. Anmol Nonwoven
 - aa. Sagar Nets
 - bb. Keshav Universal Yogeshwar,
 - cc. V K Synthetics
 - dd. Saif Trading Co
 - ee. Naakwa Enterprises
 - ff. Garware Wall Ropes Limited
- ix. None of the importers listed above have filed the Importer's questionnaire response.
 - x. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
 - xi. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations, which was received by the Authority. The Authority has, relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and required analysis after due examination of the transactions, and relied upon the same in this finding.
 - xii. The Non-injurious Price (NIP) based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
 - xiii. The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is from 1st April, 2015 to 30th September, 2016 (18 Months). The injury investigation period has however, been considered as the period from 2012-13, 2013-14, 2014-15 and the POI.
 - xiv. The Authority held oral hearing on 2nd January, 2018 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6(6), which was attended by the representatives of domestic industry, exporter from China PR and representatives of High Commission of Bangladesh. The interested parties who presented their views orally at the time of oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were provided opportunity to offer rejoinder submissions to the views expressed by opposing interested parties.
 - xv. On the spot verification of the data of the domestic industry and table study of the cooperating exporters, was carried out to the extent considered necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of this finding.

- xvi. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this finding.
- xvii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xviii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded this finding on the basis of the facts available.
- xix. A Disclosure Statement was issued on 19.02.2018 containing essential facts under consideration of the Designated Authority, giving time up to 23.02.2018 to furnish comments, if any, on Disclosure Statement. The Authority has considered post disclosure comments received from interested parties appropriately.
- xx. *** In this Notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxi. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$= Rs 66.53

C. Product Under Consideration and Like Article

Submissions made by exporter, importer and other interested parties

- 5. The following are the submissions made by exporters/importers/other interested parties with regard to scope of the product under consideration and like article:
 - i. Product under consideration covers mono and multi, which can be further classified on the basis of thickness. The petition has only one analysis which does not appear to be correct.
 - ii. Scope of present petition covers either 100% or, if blended, containing 50% or more nylon, but not fishing nets made of HDPE.
 - iii. HDPE Agricultural nets do not consist of Nylon and the present petition is not maintainable. The HS Code of the product of the answering exporter is 5608.11.90 and it was incorrectly typed as 5608.11.10.
 - iv. Since the present petition covers only Nylon Fishing nets and not HDPE Agricultural nets, no Anti-Dumping duty should be levied on Agricultural nets being exported to India by us.
 - v. The manufacturing of monofilament synthetic nylon fibre is banned in Bangladesh, so we are neither manufacturing nor exporting Fishing nets made of monofilament. The manufacturing, marketing, storing etc. of fishing nets (monofilament) is an offence in Bangladesh, we are manufacturing and exporting only agricultural nets to India, the petition is liable to be dismissed on this ground.

Submissions made by the Domestic industry

- 6. The following are the submissions made by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:
 - i. The product under consideration for the present investigation is "Fishing net". The product under consideration is used for the purpose of catching fish. Nets are devices made from fibers woven in a grid - like structure. All other kinds of Fishing nets or other nets are outside the scope of present investigation.
 - ii. Fishnets can be produced from HDPE (High Density Poly Ethylene), Nylon (Nylon 6), PP (Poly Propylene) and Polyester Yarn. The PUC is however only of nylon or more than 50% nylon.
 - iii. Petition concerns Nylon Fishing nets only – whether 100% or blended. In case of blended, scope includes fishing nets containing 50% or more Nylon by weight.
 - iv. There is no known difference in the product produced by the petitioner and exported from China and Bangladesh. The PUC produced by the Domestic Industry and imported from the subject country are comparable in terms of characteristics such as physical characteristics, manufacturing process & technology (there is no known significant difference in the technology employed by the domestic industry and producers in the subject countries), functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods.
 - v. There are two types of the PUC, viz. fishing nets made of nylon multi filament yarn (described as multifilament fishing net) and fishing nets made of nylon mono filament yarn (described as monofilament fishing net)

- vi. The anti-dumping duty would be levied on description of the product concerned and custom classification is only indicative and not binding on the product scope
- vii. Imports are primarily (almost 96-97%) in monofilament fishing net, whereas the Indian producers are largely producing and selling multifilament fishing net.
- viii. The production process of producing fishing net involves synthetic filament which is chips, which are in turn made out of Caprolactam. Yarn produced is largely in two categories - Nylon Multifilament Yarn and Nylon Monofilament Yarn. Chips are also used to produce monofilament yarn. The yarn thus produced are directly used in the manufacture of fishing nets of monofilament type.

Examination by the Authority

- 7. The Product under Consideration in the present investigation is "Fishnet" or "Fishing Net".
- 8. Fishing Nets are devices made from fibers woven in a grid-like structure. Fishing nets are usually meshes formed by knotting a relatively thin thread. Due to the technical characteristics of Nylon, Nylon fishnet constitutes more than 65-70% of the total fishnet consumption world over. Present petition includes Nylon Fishing nets only – whether 100% or blended. In case of blended, scope includes fishing nets containing 50% or more Nylon by weight.
- 9. The product does not have dedicated customs classification. The product is being imported under HS code, 560811 10 as per the data made available to us by DGC&IS. However, customs classification is indicative only and in no way it is binding upon the product scope.
- 10. The PUC can be further classified into monofilament yarn net and multifilament yarn net. Monofilament net is produced using monofilament yarn, in case of multifilament net, multifilament yarn is used and the yarn is first twisted. Thereafter, even though the production process is the same and involves netting with weft & warp knotting, heat stretching, dyeing, aging, normalizing, inspection and packing; the use of monofilament net and multifilament net is in totally different areas in fishing. Monofilament nets are largely used for inland/river/lake fishing and the catches are better due to its transparency as compared to multifilament net. The life of net is however maximum of 6 months and the net cannot be repaired once damaged. Multifilament nets, on the contrary, are used for coastal/deep sea fishing to catch large fish. Life of multifilament nets is in the region of 2 to 2.5 years and the nets can be repaired when damaged.
- 11. As regards HDPE Fishing Nets and Agriculture nets, it is noted that the present investigation is against dumping of Nylon Fishing nets – whether 100% or blended nets containing 50% or more Nylon by weight. All other kinds of Fishing nets or other nets are outside the scope of present investigation.
- 12. The petitioners have claimed that there is no known difference between the subject goods exported from subject countries and that produced by the domestic industry. As submitted by the petitioners, the product under consideration produced by the domestic industry and imported from subject countries are comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Consumers can use and are using the two interchangeably.
- 13. The applicant has further claimed that two are technically and commercially substitutable and, hence, should be treated as "like article" under the Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the Authority treats the subject goods produced by the petitioners in India as "Like Article" to the subject goods being imported from the subject countries/territory

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

- 14. The following are the submissions made by exporters/importers/other interested parties have made any submissions in this regard:
 - i. The interested parties have made no submissions in this regard.

Submissions made by the Domestic industry

- 15. Following are the submissions made by the domestic industry with regard to scope of the domestic industry and standing:
 - i. The petition is filed by Indian Fishnet Manufacturers Association on behalf of the fishnet manufacturers in India. Eighteen members of the Association have provided costing and financial information for the present investigation. The petition has been supported by Sea Fabrics (P) Ltd and Paris Nets (P) Ltd

- ii. The domestic industry constitutes many producers of product under consideration including supporters. Out of these, 11 producers of mono yarn fishing net and 3 producers of multi yarn fishing net have provided data for verification. Therefore, domestic industry along with supporters constitutes manufacturers of all types of product under consideration.
- iii. The petitioner along with the supporters constitutes a major proportion of the total Indian production.
- iv. The petitioners are not related to an importer in India or exporter from subject countries, nor have the petitioners imported the product under consideration within the meaning of Rule 2(b). The petitioners have satisfied the requirement of standing under the Rules and the petitioners constitute domestic industry within the meaning of the Anti-Dumping Rules.

Examination by the Authority

16. Rule 2(b) defines domestic industry as under:

"(b) 'domestic industry' means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"

17. The petition has been filed by Indian Fishnet Manufacturers Association on behalf of the fishnet producers in India representing as the domestic industry of the subject goods. The number of units registered with the above said association is 203.
18. As per the evidence available on record, the production of the applicant constitutes "a major proportion" of the domestic production. The production of the product under consideration is largely in the unorganized sector in the country. Majority of the Indian producers of subject goods are members of the Association.
19. The applicant has certified that there are no imports of the product under consideration by the petitioner companies from the subject countries. Since the production of the petitioners account for "a major proportion" in the total production of the product under consideration in India, the applicant satisfies the standing and constitutes Domestic Industry within the meaning of the Rules. The Authority, therefore, determines that the applicant constitutes eligible domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Anti-Dumping Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.

E. CONFIDENTIALITY

Submissions by exporter, importer and other interested parties

20. The exporter, importer and other interested parties made the following submissions:
- i. Excess confidentiality has been claimed by the Domestic Industry.
 - ii. Domestic industry has provided production in the Indian production statement but the same is withheld as confidential in the proforma IVA. Indian demand is kept confidential which has no justification.

Submissions by Domestic industry

21. The Domestic Industry made the following submissions:
- i. Chinese exporters have resorted to excessive confidentiality in responding to the exporter's questionnaire response.
 - ii. Petitioners have claimed confidentiality wherever required and have also provided non- confidential summary wherever feasible. The interested party has failed to establish even a single instance where petitioners have claimed confidentiality where information was available publicly and which cannot be permitted by the Authority as a matter of need of the present case.
 - iii. The confidentiality claims of the petitioners are consistent with the practice of Authority. The domestic industry has provided trends of all injury parameters which is sufficient for the opposing interested parties to argue on merits of the case.

EXAMINATION BY AUTHORITY

22. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule(2),(3)(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as

such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

- (2) *The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*
- (3) *Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.*
23. Submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed accordingly. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
24. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.

Annexure-II

Market Economy Treatment (MET), Normal Value, Export Price and Dumping Margin

Submissions by exporter, importer and other interested parties

25. The following are the submissions made by exporters/importers/other interested parties in this regard:
 - i. Responding exporters are required to be assessed for individual margins as per Rules.

Submissions by Domestic industry

26. The domestic industry inter alia submitted as follows:
 - ii. China PR was considered non-market economy at the stage of initiation.
 - iii. One of the provisions of Accession protocol has expired on 11th December, 2016. The Designated Authority should proceed with present investigation considering Chinese producers as producers operating in non-market economy conditions due to reasons given below.
 - iv. Article 15(b) of China's Accession Protocol implies that provisions of Clause 15(a)(ii) shall expire 15 years from date of China's Accession, i.e., provisions of this paragraph shall be available for 15 years, i.e., upto Dec., 2016. This implies that Authority will have to consider the costs and process for determination of normal value.
 - v. The relevant consideration in this regard must be the investigation period. The purpose of fixing the investigation period is to consider a period when the existence of dumping causing injury is established and that the developments occurring after the POI are not relevant for the determination. Since the POI in the present case is 1st April, 2015 to 30th September, 2016 (18 Months), the provisions of Article 15 of China's Accession Protocol shall be fully applicable to the present investigation period. The normal value in China should be determined on the basis of Para-7 of Annexure-I.
 - vi. Market economy status cannot be given unless:
 - a. the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values;
 - b. process of transformation has been completely established through documentary evidence;
 - c. the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the rules. Contrarily, while examining material injury existence of a single parameter is considered sufficient to establish such injury. In other words, where one parameter is sufficient to establish existence of injury, failure to pass one single parameter is sufficient to reject the claim of market economy status;
 - d. the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected.
 - vii. Market economy treatment must be rejected in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with International Accounting Standards (IAS). The requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report.

- viii. The burden of proof lies on the responding Chinese exporters to prove that they are operating under market economy condition and are entitled to get market economy treatment.
- ix. Normal value for China in such a case can be determined only in accordance with the provisions of para 7 of the Annexure I to Anti-dumping Rules without invoking proviso to 8(2) in view of the facts and circumstances of the case.
- x. Chinese producers can only be granted individual margins to the extent of their export price. The cost and selling price of the responding Chinese exporters cannot be accepted due to their non-market economy status.
- xi. The response filed by the exporters ought to be rejected on the ground of undue confidentiality claimed, suppression of facts such as existence of related entities involved in the production and sale of subject goods, suppression of facts with regard to captive inputs and subsidies received.

Examination by the Authority-

27. Article 15 of China's Accession Protocol provides as follows:

"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

- i. In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*
 - (i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
 - (ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*
 - ii. In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*
 - iii. The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*
 - iv. Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*
28. Article 15 implies that provisions of one of the subparagraph shall expire 15 years from date of China's Accession. The provisions of this paragraph expired on 11th Dec., 2016. Since the factum of dumping causing injury to the Domestic Industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is April 2015 – September 2016. Since the subparagraph of Article 15 was in existence during the period of investigation, the Authority may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.
29. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
30. None of the exporter/producers have filed market economy questionnaire response. In view of the above position and in the absence of rebuttal of non-market economy presumption by any Chinese exporting company, the

Authority considers it appropriate to treat China PR as a non-market economy country in the present investigation and proposes to proceed with para-7 of Annexure-I to the Rules for determination of normal value in case of China PR.

a) Normal value determination for China PR

31. In view of the above, the Authority has determined normal value having regard to para-7 of Annexure-I for the purpose of present investigation. The normal value for the subject products imported from China PR into India has been constructed considering optimum consumption norms of the domestic industry for major raw materials, cost of raw materials as per domestic industry prices, conversion cost, interest, SGA etc. at the levels allowed for the domestic industry. 5% of cost of sales excluding interest has been allowed towards reasonable profit.

b) Export Price for responding exporters in China

32. The Authority notes that the following Chinese producers/ exporters have filed exporter questionnaire response in the present investigation:

- a) Anhui Light Industries International Co. Ltd.
b) Chaohu Tengda Fishing Gear Co. Ltd. (Producer)

33. After examination of the responses, the exporter's data was verified by the Authority. The DGCI&S data has been examined. The data submitted by the exporters were verified and the appendix wise response to the exporter's questionnaire was taken up for examination.

34. In view of the above, the Authority has accepted the data submitted by the producers/exporters and verified subsequently by the Authority for determination of export price and dumping margin.

35. For the responding exporter whose export prices and Price adjustments have been verified, the export price has been determined after taking into account their prices to India given in their appendix wise information and all adjustments claimed by them and verified by the Authority. For other exporters, the CIF price determined from DGCI&S transaction wise data has been adjusted for ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses and bank commission, as per the information provided by these cooperating exporters.

36. The dumping margin thus arrived has been given group wise in the tabular form below.

Normal value of Bangladesh

37. None of the exporters/producers in Bangladesh have co-operated with the Authority in this investigation. In view of non-cooperation by the exporters/producers in Bangladesh, the Authority has constructed the Normal value considering the best available information on record.

Export price from Bangladesh

38. None of the exporters from Bangladesh have provided any information giving details of export price. Therefore, the Authority has determined the export price for producers/exporters of Bangladesh on the basis of the DGCI&S transaction wise data. Accordingly, the weighted average net export price at ex-factory level, in respect of all exporters from Bangladesh has been determined after making the due adjustments for Ocean Freight, Marine Insurance, Port Expenses, Bank charges, Commission and Inland freight on the basis of best available information as mentioned in the dumping margin table.

Dumping Margin

39. The dumping margin during the POI for all exporters/producers from the respective subject countries have been determined as provided in the table below:

| Dumping margin | | | | | | | |
|----------------|--|---|------------------------|---------------------------|-------------------------|---------------------|-------------------------|
| SN | Producers | Exporter | Normal value USD/KG | Net Export Price RS/KG | Dumping margin RS/KG | Dumping margin % | Dumping margin Range |
| 1. | Chaohu Tengda Fishing Gear Co. Ltd. (Producer) | Anhui Light Industries International Co. Ltd. | *** | *** | *** | *** | 40-50 |
| 2. | All Producers from China other than SN1 | All Exporters from China other than in SN1 | *** | *** | *** | *** | 80-90 |
| 3. | All Producers from Bangladesh | All Exporters from Bangladesh | *** | *** | *** | *** | 120-130 |

INJURY AND CAUSAL LINK**Submissions by exporter, importer and other interested parties**

40. The following submissions were made by producers/exporters/importers/other interested parties with regard to injury to the domestic industry:
- i. DA should not have initiated the present investigation & should be accordingly terminated forthwith as the information and documents submitted by the Petitioners are incomprehensible and misleading with regard to various parameters.
 - ii. There is no injury and dumping and there is no threat of material injury, if measures are not imposed.
 - iii. POI as in the Initiation Notification is from April 2015 to March 2016 (12 months), whereas four year data has been given in addition to POI, treating FY 2015-16 as immediate previous year. In absence of accurate and exact data of POI on what basis Authority has initiated the investigation and has sought comments from other interested parties. Authority should instruct the DI to provide all injury parameters for the POI as in the Initiation Notification.
 - iv. Injury analysis stands vitiated, not as per Trade Notice No. 2/2004 dated 12.4.2004. Four years data has been given in addition to POI, treating FY2015-16 as immediate previous year would give distorted and incorrect results. Domestic industry is to provide injury data of 2012-13, 2013-14, 2014-15 and then POI.
 - v. Claims of dumping, injury and causal link seriously suffer because of lack of apple to apple comparison. All the volume parameters showed a clear increase and price parameters stands seriously vitiated because of consideration of 2015-16 as the previous year and also in POI. Once the infirmities in the claims of dumping and injury are rectified, it will show that there is no injury to the domestic industry.
 - vi. Petitioners claims 100 to 110% price undercutting, how Domestic Industry has increased its sales at profitable prices and maintained its operating level at reasonable marks. If Domestic Industry reiterates that such price undercutting is true then further examination is required. And if undercutting is due to the types involved, an apple to apple comparison with emphasis on the type should have been provided.
 - vii. Due to cyclone (Ockhi), Fishermen have lost their fishing gears which are fishing net primarily and they would be in a need to procure the same and the Central and State governments are understood to be mulling large financial packages for the same. Any ADD will add difficulties to the fishermen. Producer will use ADD as tool to increase the price when the demand is high.
 - viii. The claims of dumping, injury and causal link in the case are not in order and suffers because of lack of apple to apple comparison. All the volume parameters showed a clear increase and price parameters stands seriously vitiated because of consideration of 2015-16 as the previous year and also in POI. Once the infirmities in the claims of dumping and injury are rectified, it will show that there is no injury to the domestic industry.
 - ix. For Price undercutting the petitioners claims 100 to 110% price undercutting, how DI has increased its sales at profitable prices and maintained its operating level at reasonable marks. Reference is made to Bridgestone Tyre Manufacturing (Thailand) Vs Designated Authority. If DI reiterates that such price undercutting is true then further examination is required. And if undercutting is due to the types involved, an apple to apple comparison with emphasis on the type should have been provided.
 - x. DI to provide injury data of 2012-13, 2013-14, 2014-15 and then POI.
 - xi. Four year data has been given in addition to POI, treating FY2015-16 as immediate previous year would give distorted and incorrect results.
 - xii. Trend analysis and comparison of economic parameters stands defective as the Domestic Industry has not provided information for previous three years and POI as per Trade Notice No.2/2004 (dated 12.4.2004).

Submissions made by the Domestic Industry

41. Following are the submissions made by Domestic industry :
- i. The petitioners have initially provided information for the POI, April 2015 to March 2016 on the basis of the investigations were initiated by the Authority. The Authority considered it necessary to examine the data for period closer to the initiation and accordingly, period of investigation (POI) April 2016 to Sept 2016 was filed by the domestic industry for the extended Period as above.
 - ii. Petitioners have provided all revised information post initiation for the period April 2015 to September 2016 (18 Months) for investigation. The injury investigation period will however, cover the period 2012-13, 2013-14, 2014-15 and April 2015 to September 2016 (POI).
 - iii. Total imports as well as imports from the subject countries have increased from base year till the POI. Almost

- 96-97% of the imports and resultantly, the increase in imports is in the monofilament fishing net category. Imports in relation to consumption as well as production have increased throughout the injury period.
- iv. The import of the product has already occurred in monofilament category while there is a threat of injury in multi filament category, where there were about 7% imports during the POI. Further, 32.38% production of the petitioning companies is in monofilament category, whereas 67.62% production is in multifilament category.
 - v. The landed price of imports has been significantly below the selling prices of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting during the POI.
 - vi. A comparison of unit cost of sales and domestic selling price over the injury period shows that the cost of sales and the selling price of the subject goods have increased throughout the injury period. But increase in selling price is below the increase in cost of sales. The import of subject goods are significantly suppressing and depressing the prices of domestic industry.
 - vii. Petitioners have already segregated their financial and economic performance in respect of each and every economic parameters between mono and multi filaments.
 - viii. Production and sales of the domestic industry have increased from the base year till POI. Capacity utilisation has been stagnating due to dumping in the Country. Further, the increase in production and sales volume is much below the increase in demand for the product in the Country and the level of capacities available with the domestic industry and in the Country. The industry is losing market share even when the industry is holding capacities.
 - ix. The capacity of the domestic industry has increased during the period. Despite increase in capacities, the imports are increasing rapidly.
 - x. There is positive growth in demand which is being captured by the dumped imports. The price difference is so significant that domestic industry will not recover even its cost of inputs at import price.
 - xi. The overall profitability of the domestic industry improved over the period, the profitability of monofilament fishing net first improved till 2015-16 and then declined significantly in April to September 2016 that the domestic industry suffered financial losses in this period. Further, the profits in monofilament fishing net are much below (not even 1/10th) of the profits in multifilament fishing net. The vast difference between monofilament fishing net and multifilament fishing net profits on one hand and between 2015-16 and Apr-Sep., 2016 itself establishes that the adverse impact of dumping on the domestic industry.
 - xii. Return and cash profits have followed the same trend as that of profits. ROI in monofilament fishing net is very low as compared to multifilament fishing net. The performance of the domestic industry is getting severely impacted and is adverse.
 - xiii. Both the numbers of employees and the wages paid have increased from the base year till the period of investigation.
 - xiv. The growth of the domestic industry in terms of volume parameters (except market share) has been positive, whereas in terms of market share and price parameter was negative.
 - xv. The dumping margin from subject country is not only more than de minimis but also very substantial. The impact of dumping on the domestic industry is significant. In fact, dumping is gradually intensifying.
 - xvi. Material injury is being caused to domestic industry from dumped imports from Bangladesh and China PR. The technology adopted by domestic industry is comparable to the technology being adopted by producers of subject country. There is no significant difference in the manufacturing process. Availability of dumped imports in the market is the sole reason for the present injury being suffered by the domestic industry. Injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports.
 - xvii. The Ockhi Cyclone took place in 2015 and the demand of the product under consideration has increased steadily since 2012-13. Therefore, the argument of the opposing interested party on so called increase in demand due to Ockhi Cyclone is baseless.
 - xviii. As regards public interest the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country/territory in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers at fair prices. The foreign exporters need not worry about the public interest in India.

Examination by the Authority

42. The Authority has taken note of the submissions made by the interested parties. The Authority has examined the injury to the domestic industry in accordance with the Anti-dumping Rules and considering the submissions made by the other interested parties.
43. As regards the submissions of absence of injury, the injury analysis carried out hereunder is self explanatory to establish that dumping has caused injury to the domestic industry.
44. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below:
45. The AD Rules require the Authority to examine injury by examining both volume and price effect. A determination of injury involves an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic industry. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.
46. As regards the consequent impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure II of Anti-dumping rules states as under:-
(iv) The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.
47. It is not necessary that all parameters of injury show deterioration. Some parameters may show deterioration; while some may show improvement. The Designated Authority considers all injury parameters and thereafter concludes whether the domestic industry has suffered injury due to dumping or not. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments in the submissions.
48. The Authority has also, received a letter from Tamil Nadu Industrial Investment Corporation Limited, which talks about the setbacks to the domestic industry and injury being suffered by them. It states that the fishnet manufacturer's business performance has declined in last couple of years only due to steep increase in imports of Chinese nets into India at a cheaper price.

Cumulative assessment

49. With regard to cumulative assessment Annexure II (iii) to the Rules provides as follows:

In cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of the like article or where the export of individual countries less than three percent, the imports collectively accounts for more than seven per cent of the imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

50. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to parameters in Annexure II (iii) to the Rules. It was observed that:
 - a. The margins of dumping of product under consideration from each of the subject countries are more than the de-minimis limit;
 - b. The volume of imports of product under consideration from each of the subject countries is more than de-minimis;
 - c. Imports from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market.

51. In view of the above, the Authority holds that it would be appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry in the light of conditions of competition between imported product and like domestic product.
52. Authority notes that information has been provided in respect of like article to the extent feasible and separately available. The Authority has relied on the information with regard product under consideration and on the basis of records maintained by the Petitioner companies.
53. It is noted that the examination of injury parameters have been done separately i.e. monofilament yarn net and multifilament yarn net and in consolidated manner to have a better understanding of the data and of injury being suffered by the domestic industry.

Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry

Assessment of Demand

54. The demand of the product under consideration in India has been determined as the sum of sales of the Indian producers and imports from all sources. The Authority notes that the demand of the product under consideration has increased throughout the injury period.

| Particulars | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI (Annualised) |
|--------------------------------|----------------|------------|------------|------------|------------------|
| Sales of domestic Industry | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>115</i> | <i>125</i> | <i>138</i> |
| Sale of Other Indian producers | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>121</i> | <i>138</i> | <i>151</i> |
| Total Domestic Sales | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>120</i> | <i>134</i> | <i>148</i> |
| Imports- Subject Country | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>134</i> | <i>181</i> | <i>275</i> |
| Imports- Other Countries | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>76</i> | <i>107</i> | <i>177</i> |
| Total Demand | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>120</i> | <i>136</i> | <i>152</i> |
| Monofilament | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>120</i> | <i>132</i> | <i>136</i> |
| Multifilament | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>120</i> | <i>138</i> | <i>164</i> |

Import Volume and Market Share

55. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject good from the subject country have been analyzed as under:

| Import Volume | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI (Annualised) |
|-------------------|---------|---------|---------|---------|------------------|
| Subject Countries | MT | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 134 | 180 | 274 |

| Import Volume | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI (Annualised) |
|--|----------------|------------|------------|------------|------------------|
| Bangladesh RP | MT | - | *** | *** | *** |
| | Indexed | - | 100 | 257 | 541 |
| China | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>120</i> | <i>144</i> | <i>202</i> |
| Monofilament category | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>136</i> | <i>187</i> | <i>284</i> |
| Bangladesh RP | MT | - | *** | *** | *** |
| | Indexed | - | 100 | 257 | 541 |
| China | MT | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 120 | 147 | 216 |
| Imports in relation to Consumption | % | 8% | 9% | 11% | 16% |
| Imports in relation to Indian Production | % | 31% | 38% | 46% | 60% |
| Multifilament category | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>MT</i> | <i>100</i> | <i>110</i> | <i>109</i> | <i>177</i> |
| Bangladesh | MT | - | - | - | - |
| China | MT | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 111 | 109 | 179 |
| Other Countries | MT | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>76</i> | <i>107</i> | <i>176</i> |
| Total Imports | MT | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 118 | 161 | 248 |
| Imports in relation to Consumption | % | 3% | 4% | 5% | 6% |
| Imports in relation to Indian Production | % | 10% | 12% | 14% | 19% |

56. It is noted that

- i. Volume of imports from subject countries has increased in absolute terms throughout the injury period. Further, the increase in imports is largely in monofilament category.
- ii. Imports from the subject countries have increased in relation to production and consumption throughout the injury period. Further, since the imports of PUC were largely in monofilament category, the volume of imports were examined by considering market for monofilament category only.

Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

Price Undercutting

57. With regard to the effect of dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports when compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
58. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The price of the domestic industry was determined at the ex-factory level. For the purpose, the Authority notes that there is significant difference in the price of Mono yarn fishing net and multi yarn fishing net. Therefore, the Authority has compared landed price of imports with the selling price of the domestic industry for comparable types. Thus, weighted average price undercutting has been determined after considering associated import volumes. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in the subject countries were imported into the Indian market at prices which were lower than the selling price of the domestic industry. It is thus noted that

imports of subject goods were undercutting the domestic prices and margin of undercutting is shown as per the table below:

| Particulars | Unit | China | Bangladesh | Subject Countries |
|-------------------------|----------------|------------|------------|-------------------|
| Landed price of Imports | Rs./Kg. | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>76</i> | <i>94</i> |
| Net Sales Realization | Rs./Kg. | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>100</i> | <i>100</i> |
| Price Undercutting | Rs./Kg. | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>124</i> | <i>106</i> |
| Price Undercutting | % | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>164</i> | <i>114</i> |
| Price Undercutting | % Range | 95-115 | 160-170 | 110-120 |

59. Since 95 % of the imports occurred in monofilament category, the price undercutting was determined only by considering separate prices for monofilament and multifilament. Table below shows that the price undercutting was quite significant

| Monofilament | Unit | China | Bangladesh | Subject Countries |
|-------------------------|---------|-------|------------|-------------------|
| Landed price of Imports | Rs./Kg. | *** | *** | *** |
| | | *** | *** | *** |
| Net Sales Realization | Rs./Kg. | *** | *** | *** |
| Price Undercutting | Rs./Kg. | *** | *** | *** |
| Price Undercutting | % | *** | *** | *** |
| Price Undercutting | % Range | 30-40 | 160-170 | 130-140 |

| Multifilament | Unit | China | Bangladesh | Subject Countries |
|-------------------------|---------|---------|------------|-------------------|
| Landed price of Imports | Rs./Kg. | *** | *** | *** |
| Net Sales Realization | Rs./Kg. | *** | *** | *** |
| Price Undercutting | Rs./Kg. | *** | *** | *** |
| Price Undercutting | % | *** | *** | *** |
| Price Undercutting | % Range | 100-110 | - | 100-110 |

60. It is noted that the landed price of imports has been significantly below the selling prices of the domestic industry, which has resulted into significant price undercutting during the POI.

Price underselling

61. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from China PR. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports for each product type (mono and multi yarn fishing net). Comparison of weighted average NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

| Bangladesh | Total | | Indexed |
|--------------|-------|---------|---------|
| | ₹ /Kg | US\$/KG | |
| NIP | *** | *** | 100 |
| Landed Price | *** | *** | 37.94 |
| China PR | Total | | |
| | ₹/Kg | US\$/KG | |
| NIP | *** | *** | 100 |
| Landed Price | *** | *** | 58.27 |

62. It is seen that the landed price of the subject goods from China and Bangladesh were significantly lower than the NIP determined for the domestic industry. The price underselling is significant.

Price Suppression/Depression

63. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

| Particulars | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI (Annualised) |
|--|----------------|------------|------------|------------|---------------------|
| Average/consolidated | | | | | |
| Cost of sales | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>110</i> | <i>113</i> | <i>109</i> |
| Selling price | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>108</i> | <i>114</i> | <i>115</i> |
| <i>Landed Price- Subject Countries</i> | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>102</i> | <i>89</i> | <i>85</i> |
| Multifilament | | | | | |
| Cost of sales | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>118</i> | <i>125</i> | <i>130</i> |
| Selling price | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>117</i> | <i>125</i> | <i>130</i> |
| <i>Landed Price- Subject Countries</i> | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>56</i> | <i>61</i> | <i>65</i> |
| Monofilament | | | | | |
| Cost of sales | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>105</i> | <i>105</i> | <i>95</i> |
| Selling price | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>103</i> | <i>108</i> | <i>107</i> |
| <i>Landed Price- Subject Countries</i> | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>111</i> | <i>95</i> | <i>90</i> |

64. Authority notes that even though on overall basis, cost of sales and the selling price have increased throughout the injury period, the increase in selling vis-à-vis cost of production was materially lower in case of monofilament as compared to multifilament. Thus, while de-facto absence of imports in multifilament enabled the domestic industry to raise prices over the injury period, the presence of dumped imports in monofilament has prevented the domestic industry from raising prices to the extent where the domestic industry could earn reasonable profits. It is also noted that the production of the PUC is largely in small scale unorganized sector.

J. Economic Parameters Relating to The Domestic Industry

65. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.
66. Accordingly, various economic parameters of the Domestic Industry are analyzed herein below.

Sales, Capacity, Production, and Capacity Utilization

67. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization was as follows:

| Capacity Utilisation | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | **POI |
|----------------------|---------|---------|---------|---------|-------|
| Total for PUC | | | | | |
| Capacity | MT | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 109 | 127 | 144 |
| Production | MT | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 110 | 129 | 143 |
| Capacity Utilization | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 100 | 101 | 98 |
| Domestic Sales | MT | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 114 | 124 | 137 |
| Monofilament | | | | | |
| Capacity | MT | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 103 | 117 | 124 |
| Production | MT | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 109 | 125 | 145 |
| Capacity Utilization | % | *** | *** | *** | *** |
| | | 100 | 105 | 107 | 115 |
| Domestic Sales | MT | *** | *** | *** | *** |
| | | 100 | 109 | 121 | 145 |
| Multifilament | | | | | |
| Capacity | MT | *** | *** | *** | *** |
| | | 100 | 112 | 133 | 156 |
| Production | MT | *** | *** | *** | *** |
| | | 100 | 110 | 130 | 142 |
| Capacity Utilization | % | *** | *** | *** | *** |

| | | | | | |
|----------------|----|-----|-----|-----|-----|
| | | 100 | 97 | 97 | 91 |
| Domestic Sales | MT | *** | *** | *** | *** |
| | | 100 | 118 | 127 | 131 |

68. Authority notes that even when overall production, sales and capacity utilization of the domestic industry have improved over the period, the capacity utilization continues to be lower in case of monofilament as compared to multifilament. Thus, presence of dumped imports in monofilament category has prevented the domestic industry from utilizing its production capacities to the extent it has utilized in case of multifilament. It is also noted that whereas 95% of imports are in monofilament category, 30% of production in India is in monofilament and 70% is in multifilament category, thus clearly showing that the dumping of the PUC in the Country has impacted the domestic industry in monofilament category. It is also noted that the capacities created by the domestic industry are dedicated for monofilament and multifilament category and the two cannot be interchangeably used. Thus, the producers of multifilament category have not been impacted whereas the producers of monofilament have been impacted due to dumping of the PUC in India. It is noted that the industry has enhanced capacity, which is clearly in response to the increase in demand for the PUC in the Country. Thus, industry on its part has been responding to the rising demand for the PUC in the Country.

II. Market Share in Demand

69. The effects of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined as below:

| Market Share | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI* |
|-------------------------------|---------|---------|---------|---------|------|
| Total for PUC | | | | | |
| Subject Countries | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 112 | 132 | 180 |
| Other Countries | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 63 | 78 | 115 |
| DI Domestic Sales | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 95 | 91 | 96 |
| Other Indian Producers | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 101 | 101 | 99 |
| Domestic producers as a whole | | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 100 | 99 | 96 |
| Total | % | 100 | 100 | 100 | 100 |
| Monofilament | | | | | |
| Subject Countries | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 113 | 141 | 208 |
| Other Countries | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 63 | 81 | 112 |
| DI Domestic Sales | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 91 | 91 | 107 |
| Other Indian Producers | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 103 | 98 | 83 |
| Domestic producers as a whole | | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 100 | 97 | 90 |
| Total | % | 100% | 100% | 100% | 100% |
| Multifilament | | | | | |

| Market Share | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI* |
|-------------------------------|---------|---------|---------|---------|-------|
| Subject Countries | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 91 | 77 | 108 |
| Other Countries | % | 0.01% | 0.00% | 0.00% | 0.31% |
| DI Domestic Sales | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 99 | 92 | 80 |
| Other Indian Producers | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 100 | 102 | 106 |
| Domestic producers as a whole | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 100 | 100 | 99 |
| Total | % | 100% | 100% | 100% | 100% |

70. It is noted that market share of the domestic industry and domestic producers as a whole for monofilament has declined steeply over the period and market share the domestic industry and domestic producers as a whole for multifilament remained at the similar level.

III. Profit/Loss, Cash Flow, Return on Capital Employed

71. The profit/loss, cash profits and return on investment of the domestic industry has been analysed as follows:

| Particulars | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI* |
|--------------------------------|----------|---------|---------|---------|------|
| Total for PUC | | | | | |
| Profit/(Loss) | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 97 | 127 | 175 |
| Profit/(Loss) | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 110 | 155 | 355 |
| Cash Profit | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 100 | 122 | 157 |
| Profit before Interest and Tax | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 108 | 149 | 323 |
| Return on Capital Employed | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 85 | 102 | 131 |
| Monofilament | | | | | |
| Profit/(Loss) | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 83 | 75 | 144 |
| Profit/(Loss) | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 91 | 91 | 210 |
| Cash Profit | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 109 | 120 | 125 |
| Profit before Interest and Tax | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 101 | 123 | 167 |
| Return on Capital Employed | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 78 | 80 | 96 |

| | | | | | |
|--------------------------------|----------|-----|-----|-----|-----|
| Multifilament | | | | | |
| Profit/(Loss) | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 94 | 126 | 181 |
| Profit/(Loss) | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 112 | 160 | 238 |
| Cash Profit | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 95 | 120 | 161 |
| Profit before Interest and Tax | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 110 | 155 | 227 |
| Return on Capital Employed | % | *** | *** | *** | *** |
| | Indexed | 100 | 88 | 111 | 146 |

72. Whereas overall profitability of the domestic industry improved over the period and even when the profitability in monofilament category also shows some increase, it is noted that (a) profitability of monofilament is far lower (Rs. 8.95 per kg only) as compared to multifilament (Rs. 103.31 per kg), (b) whereas the profits in multifilament increased by Rs. 43 per kg., profits in monofilament increased by only Rs. 2.75 per kg. Significantly lower profitability of monofilament and significantly lower increase in profits in monofilament as compared to multifilament clearly shows adverse impact of dumped imports on the domestic industry. Segregated data for POI, as verified shows that the domestic industry suffered financial losses in monofilament in Apr.-Sept., 2016 period.

73. The Authority thus notes that the profitability of the domestic industry had an impact with respect to monofilament where 95% imports occurred in POI.

IV. **Employment and Wages**

74. Authority notes that numbers of employees and the wages paid have increased from the base year till the period of investigation. The position with regard to employment, wages and productivity is as follows:

| Particulars | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI* |
|----------------------|----------------|----------------|----------------|----------------|-------------|
| No of Employees | Nos | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>100</i> | <i>106</i> | <i>113</i> |
| Wages | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>147</i> | <i>186</i> | <i>214</i> |
| Wages per Unit | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>133</i> | <i>144</i> | <i>149</i> |
| Monofilament | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI* |
| No of Employees | Nos | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>104</i> | <i>114</i> | <i>119</i> |
| Wages | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>186</i> | <i>207</i> | <i>319</i> |
| Wages per Unit | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>169</i> | <i>165</i> | <i>219</i> |
| Multifilament | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI* |
| No of Employees | Nos | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>98</i> | <i>102</i> | <i>110</i> |
| Wages | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |

| Particulars | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI* |
|----------------|----------------|------------|------------|------------|------------|
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>130</i> | <i>177</i> | <i>171</i> |
| Wages per Unit | Rs./Kg | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>118</i> | <i>135</i> | <i>120</i> |

V. Inventories

75. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:

| Particulars | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | POI* |
|----------------------|----------------|------------|------------|------------|------------|
| Stock (Volume) | Nos | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>134</i> | <i>177</i> | <i>213</i> |
| Monofilament | | | | | |
| Stock (Volume) | Nos | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>189</i> | <i>263</i> | <i>319</i> |
| Multifilament | | | | | |
| Stock (Volume) | Nos | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>126</i> | <i>165</i> | <i>198</i> |

76. It is seen that inventories with the domestic industry in case of monofilament have increased far steeply as compared to multifilament.

VI. Growth

| Growth year on year | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | **POI |
|---|------|---------|---------|---------|--------|
| Production (MT) | % | - | 10.30 | 17.09 | 11.13 |
| Domestic Sales Volume (MT) | % | - | 14.73 | 8.85 | 10.18 |
| Cost of Sales (Rs/Kg) | % | - | 9.70 | 2.76 | (3.16) |
| Selling Price (Rs/Kg) | % | - | 8.46 | 4.98 | 1.11 |
| Profit/ Loss (Rs/Kg) | % | - | (3.41) | 29.11 | 38.03 |
| ROI | % | - | (14.49) | 19.85 | 28.70 |
| Growth year on year- Monofilament | | | | | |
| Production (MT) | % | - | 9.94 | 14.48 | 15.49 |
| Domestic Sales Volume (MT) | % | - | 9.28 | 11.09 | 20.26 |
| Cost of Sales (Rs/Kg) | % | - | 17.59 | 6.65 | 3.37 |
| Selling Price (Rs/Kg) | % | - | 16.99 | 6.44 | 4.33 |
| Profit/ Loss (Rs/Kg) | % | - | (16.36) | (9.79) | 91.32 |
| ROI | % | - | (21.87) | 2.50 | 20.31 |
| Growth year on year- Multifilament | | | | | |
| Production (MT) | % | - | 10.46 | 18.21 | 6.54 |
| Domestic Sales Volume (MT) | % | - | 18.43 | 7.45 | (1.66) |
| Cost of Sales (Rs/Kg) | % | - | 4.81 | (0.06) | (8.35) |

| Growth year on year | Unit | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | **POI |
|-----------------------|------|---------|---------|---------|-------|
| Selling Price (Rs/Kg) | % | - | 3.42 | 4.14 | 2.40 |
| Profit/ Loss (Rs/Kg) | % | - | (5.22) | 33.05 | 57.92 |
| ROI | % | - | (11.83) | 26.83 | 23.96 |

77. It is noted that the growth of the domestic industry was adverse in respect of monofilament. The industry is significantly into production and sales of multifilament whereas 95% of imports are in the category of monofilament.

Ability to raise capital investment

78. The Authority notes that the production of the PUC has shifted more towards multifilament due to significant dumping of monofilament in the country. While the industry has added capacities, the capacity addition is much higher in multifilament category. Dumping has impacted investment in monofilament category.

Level of dumping& dumping margin

79. It is noted that dumping margin in respect of imports from subject countries is quite significant. Significant dumping of monofilament net is adversely impacting the Indian industry.

IX. Conclusion on Injury

80. It is thus seen that there has been a significant increase in the volume of dumped imports from subject countries in absolute terms and in relation to consumption and production of the product in India. Further, 95% of imports were in monofilament net category, where increase in imports in absolute terms and in relation to production & consumption was more significant. The dumped imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market. The domestic industry is suffering significant price underselling. Even when the domestic industry has been able to increase its prices in proportionate to the increase in cost of production, the selling price of the domestic industry in case of monofilament net is too low as compared to the costs & selling price of multifilament net category. The dumping margin determined are quite significant. With regard to consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that dumped imports from subject countries have adversely impacted the performance of the domestic industry in respect of monofilament net, where 95% of the imports have occurred, in respect of parameters such as production, capacity utilization, inventories, market share, profits, cash profits and ROI.
81. It can be seen that the domestic industry is suffering injury in monofilament yarn net but the Authority has examined injury with regard to both mono and multi filament yarn net. The same is done because the Authority is of the view that it is not a case where imports of multifilament from China are zero. In fact, there are continued imports of multifilament from China.
82. It is noted that while the domestic industry has already suffered material injury in case of monofilament yarn, dumping of multifilament yarn is threatening material injury to the domestic industry in multi filament category. Further, injury to the domestic industry in case of monofilament yarn is continuing and is intensifying. Thus, in monofilament yarn, the industry has not only suffered material injury, but also is threatened with intensified injury.

K. CAUSAL LINK

83. The Authority has examined other factors listed under the Antidumping Rules which could have contributed to injury to the domestic industry for examination of causal link between dumping and material injury to the domestic industry.

I. Imports from third countries

84. The Authority has examined the imports data of the subject goods from DGCI&S. It is noted that imports from third countries are negligible and could not have caused claimed injury to the domestic industry

II. Contraction in demand

85. There has been rise in demand of the product concerned over the injury period. Possible decline in demand could not have caused injury to the domestic industry.

III. Changes in the patterns of consumption

86. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any material change. Therefore, changes in the pattern of consumption cannot be considered to have caused injury to the Domestic Industry.

IV. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

87. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the Domestic Industry.

V. Developments in technology

88. Technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, developments in technology cannot be regarded as a factor causing injury to the domestic injury.

VI. Export performance

89. The performance of the domestic industry and injury thereto has been examined with respect to the domestic performance to the extent possible. Possible deterioration in the export performance of the domestic industry is, therefore, not a possible cause of injury to the domestic industry.

VII. Performance of the domestic industry with respect to other products

90. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

VIII. Productivity of the domestic industry

91. The Authority notes that the productivity of the domestic industry has followed the same trend as production. Productivity of the domestic industry has increased.

L. Factors establishing causal link

92. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has deteriorated due to dumped imports from subject countries. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a) Imports are undercutting the prices of the domestic industry. The volume of imports have increased significantly.
- b) The price undercutting has led to significant increase in market share of imports and decline in market share of the Indian industry.
- c) The subject imports are underselling the product sold by the domestic industry.
- d) As a result of significant price undercutting, production, sales and capacity utilisation of the domestic industry has not increase in proportion to increase in demand
- e) The inventories with the domestic industry has increased significantly.

M. Magnitude of Injury Margin

93. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry determined has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during POI. The injury margin determined are as under:

| S | Injury margin | | | | | | |
|----|--|---|---------------|--------------------------|---------------------------|-----------------------|---------------------------|
| | Producers | Exporter | NIPUS D/KG | Landed Value RS/KG | Injury margin RS/KG | Injury margin % | Injury margin Range |
| 1. | Chaohu Tengda Fishing Gear Co. Ltd. (Producer) | Anhui Light Industries International Co. Ltd. | *** | *** | *** | *** | 40-50 |
| 2. | All Producers from China other than SN1 | All Exporters from China other than in SN1 | *** | *** | *** | *** | 70-80 |
| 3. | All Producers from Bangladesh | All Exporters from Bangladesh | *** | *** | *** | *** | 120-130 |

N. Post disclosure Comments

94. The post disclosure submissions have been received from the interested parties. The issues raised therein have already been raised earlier during the investigation and also addressed appropriately. However, for the sake of clarity the submissions by the interested parties are being examined as below:

Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties

- i. HDPE fishing nets are not included in the PUC and the same should be specifically mentioned in the final findings issued and the duty table as well
- ii. Domestic industry's submission with regard to Ockhi Cyclone has no nexus with the submission made by the interested parties. The cyclone happened in 2017 and imposition of ADD at this juncture will impact fisherman as the chances of DI spiking the prices with the ADD cannot be ruled out.
- iii. All the injury parameters have shown improvement ruling out any injury.
- iv. DI has been able to increase its sales in spite of alleged dumping.
- v. A logical question was asked in CESTAT in Bridgestone matter that how the DI managed to increase its sales despite such undercutting and why have the users not preferred imported product .
- vi. The fact that the domestic industry has been able to increase its selling price with increase in cost proves that there is no adverse impact of imports on price of the domestic industry.
- vii. There is no causal link between alleged injury and alleged dumping.

Views of the Domestic Industry

- i. Disclosure regarding detailed calculation of non-injurious price, verification reports of exporters / producers and communications sent to the interested parties and replies filed by them was requested for.
- ii. The product under consideration has been correctly defined, and divided into two types, that is monofilament net and multifilament net, for injury analysis. However, the duty should be imposed on the product as a whole, that is, "fishing nets".
- iii. It should be clearly specified in the duty table that only nylon fishing nets are subject to anti dumping duty, to ensure that there is clarity regarding the products excluded from the scope of the levy and that there are no issues in implementation.
- iv. It should be indicated in the duty table that customs classification is indicative, and that the subject goods shall attract duty irrespective of the customs classification under which they are imported.
- v. As compared to their Chinese counterparts, the producers in the India use less machines and mostly belong to the MSME sector. Further, with a lower investment, the domestic producers are generating more employment and export earning, besides ensuring timely supply of fishing nets to the fishermen.
- vi. Factors relevant for threat of material injury should be considered as under:
 - a) The imports have increased significantly in the first half of 2016-17, and the imports within these six months are much higher than in 2012-13 and 2013-14.
 - b) The producers in the subject country are export oriented and they have freely disposable capacities.
 - c) The price undercutting is significant, and the imports are entering at prices which would suggest strong likelihood of further importation.
 - d) The producers in the subject country are receiving benefits from their government, to promote growth of the industry and export of the subject goods.
- vii. The product under consideration is Fishnet or fishing net. The PUC is made up of fiber woven in grid like structure. Fishing nets are usually meshes formed by knotting a relatively thin thread. Present petition includes Nylon Fishing nets only – whether 100% or blended. In case of blended, scope includes fishing nets containing 50% or more Nylon by weight.
- viii. The PUC can be further classified into monofilament yarn net and multifilament yarn net. Monofilament net is produced using monofilament yarn, in case of multifilament net, multifilament yarn is used and the yarn is first twisted. Even though production process is same for both kinds of fishing net but the end use of both are different from each other.
- ix. Regarding HDPE fishing net, the present investigation includes only Nylon fishing net whether 100% or blended nets containing 50% or more Nylon by weight. All other kinds of Fishing nets or other nets are outside the scope of present investigation.
- x. The subject product produced by the applicant domestic industry is like article to the Product under consideration, in accordance with the AD Rules;

- xi. The petition has been filed by Indian Fishnet Manufacturers Association on behalf of the fishnet producers in India representing as the domestic industry of the subject goods. As per the evidence available on record, the production of the applicant constitutes “a major proportion” of the domestic production.
- xii. The applicant constitutes eligible domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Anti-Dumping Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.
- xiii. 95% of imports were in monofilament net category, where increase in imports in absolute terms and in relation to production & consumption was more significant.
- xiv. The dumped imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market.
- xv. The domestic industry is suffering significant price underselling. Even when the domestic industry has been able to increase its prices in proportionate to the increase in cost of production, the selling price of the domestic industry in case of monofilament net is too low as compared to the costs & selling price of multifilament net category.
- xvi. Dumped imports from subject countries have adversely impacted the performance of the domestic industry in respect of monofilament net, where 95% of the imports have occurred, in respect of parameters such as production, capacity utilization, inventories, market share, profits, cash profits and ROI.
- xvii. Injury to the domestic industry is due to dumped imports from subject countries.
- xviii. The domestic industry has already suffered material injury in case of monofilament yarn, dumping of multifilament yarn is threatening material injury to the domestic industry in multi filament category.
- xix. The dumping margin and injury margin is quite significant.
- xx. While the domestic industry is majorly suffering injury in monofilament yarn, it has suffered low injury in multifilament yarn. However, the scope of product under consideration cannot be restricted to the former, as it would allow circumvention of duty.
- xxi. The dumped imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market
- xxii. With the increase in imports of monofilament yarn during H1 of 2016-17, the domestic industry has suffered losses, and its cash profits, PBIT and return on investment have declined. The dumped imports are suppressing and depressing the prices of the domestic industry.
- xxiii. As regards multifilament yarn, while the extent of injury is not as severe, the imports thereof have increased and are undercutting the prices of the domestic industry. Such imports are threatening to cause material injury to the domestic industry.
- xxiv. The dumping margin determined for goods produced by M/s Chaohu Tengda Fishing Gear Co. Ltd. and exported by M/s Anhui Light Industries International Co. Ltd. was significantly low. It was requested that the product type exported, channels of distribution and the adjustments to export price should be disclosed, as an exporter would usually not be selling a particular product type at a price higher than that of other exporters.
- xxv. Fixed form of duty should be imposed in the present case, considering the history of evasion of duties in case of benchmark form of duty. Moreover, in view of the depreciation in INR, the duty should be imposed in terms of US \$.

Examination by the Authority

95. It is noted that the issues raised at post disclosure stage have already been examined by the Authority in above relevant paragraphs. However, for the sake of the clarity on the submissions they are addressed as below:
 - i. As regards the argument that the domestic industry is not suffering any injury, the Authority notes that a detail examination with regard to injury parameters have been done in the above paragraphs. The Authority is of the view that the domestic industry is suffering material injury in the monofilament yarn net and that is the reason Indian producers have almost stopped manufacturing monofilament net and have switched to multifilament net which clearly shows the losses are being suffered by the monofilament fishing net manufactures. The Authority cannot impose duty only on Monofilament net because it is not a case where there are no imports of Multifilament net. China is exporting a huge quantity of multifilament yarn. The post period of investigation import data shows that there is increase in imports of multifilament net and that too at dumped prices. It is noted that exclusion of multifilament yarn net from the product scope will lead to circumvention and that will make the present exercise futile.
 - ii. With regard to the submission made about Ockhi cyclone, the Authority notes that there is no correlation between the effect of cyclone and imposition of Anti-dumping duties. The purpose of imposition anti-dumping duty is to provide a level playing field to the manufacturers; it is not any kind of additional benefit to anyone. The product should be imported at fair price.

- iii. It is noted that HDPE fishing nets are not included in the scope of the PUC and the same shall be specifically mentioned in the duty table.

O. Indian Industry's Interest & other issues

96. The Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to reestablish a situation of open and fair competition in the India market, which is in the general interest of the country. Imposition of antidumping measures is not to restrict the imports from the subject country in any way, and to affect the availability of the products to the consumers.
97. The Authority holds that though in the event of imposition of anti-dumping duties the price level of product in India may be affected but fair competition in the Indian market will not be reduced by such anti-dumping measures. On the contrary, the anti-dumping measures may mitigate the unfair advantage gained by dumping practices, which would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choices to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or more sources of supply.

P. CONCLUSIONS

- i. The product under consideration has been exported to India from the subject country below its normal value, resulting in dumping.
- ii. The Domestic Industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject country.
- iii. The material injury has been caused by the dumped imports from the subject country.

Q. RECOMMENDATION

98. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-Dumping Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the Domestic Industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of antidumping duty is required to offset dumping and injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive antidumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder for a period of 5 years.
99. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the Domestic Industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, equal to the amount indicated in Col No.9 of the duty table appended below. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

DUTY TABLE

| SN | Sub Heading or Tariff Item* | Description of Goods | Country of origin | Country of Export | Producer | Exporter | Duty Amount in USD | UOM |
|----|-----------------------------|----------------------|-------------------|-------------------|---|---|--------------------|-----|
| 1. | 56081110 | Fishing Net ** | China | China | Chaohu Tengda Fishing Gear Co. Ltd | Anhui Light Industries International Co. Ltd. | 1.51 | KG |
| 2. | 56081110 | Fishing Net | China | China | Any combination other than mentioned in (1) | | 2.19 | KG |
| 3. | 56081110 | Fishing Net | China | Any | Any | Any | 2.19 | KG |
| 4. | 56081110 | Fishing Net | Any | China | Any | Any | 2.19 | KG |

| | | | | | | | | |
|----|----------|-------------|------------|------------|-----|-----|------|----|
| 5. | 56081110 | Fishing Net | Bangladesh | Bangladesh | Any | Any | 2.69 | KG |
| 6. | 56081110 | Fishing Net | Bangladesh | Any | Any | Any | 2.69 | KG |
| 7. | 56081110 | Fishing Net | Any | Bangladesh | Any | Any | 2.69 | KG |

** Product under consideration for this notification means: Fishnet” or “Fishing Net”.

- i. Fishing Nets are made up of Nylon only – whether 100% or blended. In case of blended, scope includes fishing nets containing 50% or more Nylon by weight.
- ii. Product under consideration **does not include** HDPE fishing net.
- iii. The product does not have dedicated customs classification. The product is being imported under HS code, 560811 10 as per the data made available to us by DGC&IS. However, customs classification is indicative only and in no way it is binding upon the product scope.
100. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.
101. An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Designated Authority